चार्म पैक्स, नालन्दा

जनसंवाद प्रतिवेदन 2014

ईसलामपुर, नूरसराय, राजगीर, सिलाव, अस्थावाँ, बिहारशरीफ सदर, हिलसा सभी नालन्दा जिला के महत्वपूर्ण प्रखण्ड है। 7 प्रखण्डों 2018 की कम अबादी लगभग चार लाख है, पहली बार वर्ष-2014 में जनसंवाद का आयोजन किया गया। जिसमें जनता एवं सेवा प्रदाता के बीच संवाद स्थापित हुआ। जनता की मांग पर सेवा प्रदाता ने अपनी कमियों को दुर करने का प्रयास किया।

चार्म का काम महिलाओं और 0 से 5 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण स्तर में सुधार लाना है। नालन्दा जिला के 7 प्रखण्डों के 77 पंचायत एवं 46 वार्डों के 53423 घरों की 319033 की दलित एंव मुस्लिम आबादी के साथ चार्म पिछले 2 सालों से काम कर रहा है। पिछले 2 सालों में काम के दौरान 'चार्म' की टीम ने पाया कि अधिाकांशतः लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में सही जानकारी नहीं है। सरकरी अस्पतालों को लेकर उनके मन में निराशा की भावना है, इसलिए जो परिवार जरा भी सक्षम होता है वह निजि अस्पताल में इलाज कराने लगता है। निजि अस्पताल में इलाज के दौरान अच्छा खासा खर्च होता है। लोगों ने बताया कि इलाज के लिए अक्सर उन्हें महाजन से कर्ज भी लेना पड़ता है।

नालन्दा जिला के छः प्रखण्डों एवं बिहारज़रीफ़ सदर में जनसंख्या के हिसाब से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर संसाधान की कमी है। दवाओं की कमी बराबर बनी रहती हैं। लोगों को अक्सर बाहर से दवा खरीदनी पड़ती है। सेवा प्रदाताओं की भी कई समस्याएँ सामने आयी। क्षेत्र में लगातार काम करने के दौरान लगा कि जनसंवाद एक अच्छा माध्यम हो सकता है जहां जनता अपनी समस्याएँ सरकारी सेवा प्रदाता के सामने रखे। साथ ही सेवा प्रदाता भी अपनी बातों को जनता के सामने रखें। पूरे सरकारी तंत्र को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है इस पर लागातार काम करने की जरूरत है। जनप्रतिनिधियों की भुमिका काफी महत्वपूर्ण है। अब ये जरूरी है, कि जनता आगे बढ़कर हिस्सा लें। पूरी व्यवस्था को ठीक करने के लिए जनसंवाद एक बेहतर माध्यम हो सकता है। जनसंवाद के बाद कुछ गुणात्मक सुधाार हुआ है। पी0एच0सी0 में सफाई की स्थिति ठीक हुई है। लोगों की शिकायत अब सुनी जा रही है। जन संवाद के पश्चात् दवा की उपलब्धता रहती है। डॉक्टर पहले से ज्यादा नियमित हुए हैं। और मरिजों को बेहतर तरीकों से देखा जा रहा है।

इस जनसवंद का आयोजन ईसलामपुर, नूरसराय, राजगीर, सिलाव, अस्थावाँ, बिहारशरीफ सदर, हिलसा की जनता, जनप्रतिनिधियों, खातुन मजलिस, दोशिजा मजलिस, नारी सभा और किशारी मंडल के सदस्यों ने मिलकर किया। इस जनसंवाद को पैक्स की मदद से चार्म की देख-रेख में आयोजित किया गया।

आभार

नालन्दा जिला के सिविल सर्जन और जिला स्वास्थ्य समिति के दूसरे पदाधिकारियों के प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं जिनके मार्ग दर्शन के बिना जन संवाद का आयोजन मुमकिन नहीं थ। हम प्रथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ईसलामपुर, नूरसराय, राजगीर, अस्थावाँ, बिहारशरीफ सदर, हिलसा के सेवाप्रदाता, जनप्रतिनिधी, खातून मजलिस, नारी सभा, दोशिजा मजलिस और किशोरी मंडल के सदस्यों तथा आम जनता के प्रति आभार प्रकट करते हैं, जिन्होने जनसंवाद के सफल बनाने में मदद की। हम जूरी के सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनकी मौजदगी ने जनसंवाद को बल दिया। सहयोग के लिए हम 'पैक्स' के आभारी हैं।

डॉ0 शकील उर रहमान
कार्यकारी निदेशक
सेंटर फॉर हेल्थ एण्ड रिसोर्स मैनेजमेंट

उद्देश्य

इस जनसंवाद का मुख्य उद्देश्य है जनता को पंचायत स्तर पर हर संभव स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो। जनसंवाद सेवा प्रदाता एवं जनता के बीच एक माध्यम है जिससे जनता अपने अधिकारों के प्रति जागरुक हो एवं सेवा प्रदाता बेहतर सेवा दे सकें।

जन संवाद प्रतिवेदन -इसलामपुर

स्थानः- नेताजी सुभाष उच्च विद्यालय, इसलामपुर

आयोजकः- सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिर्सोस मैनेजमेंट

प्रायोजकः- पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसाइटी

निर्णायक मंडल के सदस्य :-

1. मो0 निजामुउद्दीन (सचिव, समा विकास समिति, इसलामपुर)
2. मो0 मोईनुउद्दीन मंसूर (सेवानिवृत शिक्षक)

दिनांक - 12.02.2014

नेताजी सुभाष उच्च विद्यालय, इसलामपुर में चार्म संस्थान की ओर से 12.02.2014 को समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य के मुद्दों पर जनसंवाद का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता समा विकास समिति के सचिव मो0 निजामुउद्दीन ने की। जन संवाद में स्वास्थ्य सेवा प्रदाता की तरफ से डा0 वाल्मीकि प्रसाद उपस्थित थे। सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिर्सोस मैनेजमेंट की ओर से जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार पहुंचे थे। चार्म संस्था के नूरसराय प्रखंड समन्वयक चन्द्रउदय कुमार ने जनसंवाद में शामिल लोगों का स्वागत किया। परिवर्तन अभिकर्ता अनुराधा, पूजा और जसमीन ने स्वागत गीत गाये।

चार्म संस्था के नालंदा जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार ने जनसंवाद, समुदाय आधाारित नियोजन और अनुश्रवण कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसलामपुर प्रखंड समन्वयक शमशाद आलम ने ग्राम रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

रोगों की निगरानी-

- सेवाएं नहीं मिल रही है - आठ गाँवों में जल स्त्रोंतों, क्लोरिन की गोलियां ,आंत्रशोथ , पीलिया, खसरा, दस्त एवं मलेरिया के बारे में जानकारी इकट्ठा करने की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। मलेरिया एवं डायरिया के प्रकोप से बचाव के बारे में नहीं बताया जा रहा है। गर्भावास्था, जन्म व मृत्यु का पंजीकरण की सेवाएं समुदाय को नहीं मिल रही है।

बाहरी कार्यकर्ताओं द्वारा उपचार योग्य सेवाएं

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - स्वास्थ्य केंद्र पर रेफरल सेवाएं नहीं मिल रही हैं। गांव में बुखार, खांसी या दस्त की दवा नहीं मिलती है। दुर्घटना/अप्रत्याशित घटना (एक्सिडेंट) की स्थिति में और मलेरिया पॉजिटिव रोगी को गांव में प्राथमिक चिकित्सा /उपचार प्राप्त नहीं होता है।
- सेवाएं मिल रही हैं - आठ गांवों में स्वास्थ्य व पोषण दिवस का आयोजन गाइड लाइन के अनुसार नहीं होता है. केवल टीकाकरण का काम होता है। टीबी की दवा मिल रही है।

मुक्त राशि-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- सभी गांवों में ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति को मुक्त राशि की कोई जानकारी नहीं हैं। मुक्त राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाने के लिए परिवहन सेवाएं नहीं मिल रही हैं। एएनएम/आशा दवाइयां एवं स्वच्छता की सामाग्री नही खरीदती। किसी गांव में तीन माह

में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वाच्छता समिति द्वारा जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया है।

देखभाल की गुणवत्ता-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - चार गांवों के लोगों का कहना है कि पी0एच0सी0 पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालीन सेवाएं प्रदान नहीं की जाती है। चार गांवों की महिलाओं का कहना है कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक है।
- पैसे की मांग-चार गांव की महिलाओं का कहना है कि सेवा के बदले में पैसे की मांग की जाती है।

आशा कार्यकर्ता की भूमिका एवं जिम्मेदारी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- छह गांव की आशा ने कहा, नियमानुसार प्रोत्साहन राशि नहीं मिलती है। आठ गांव की आशा ने कहा कि पिछले तीन माह में ए.एन.एम. या अन्य कोई संबंधित व्यक्ति ने रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया है। पिछले तीन माह में किसी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एस.डि.एच (अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्र) में रेफरर नहीं किया गया है।
- आंशिक सेवाएं मिल रही हैं - छह गांवों की आशा ने कहा कि उन्होंने गांव में गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी है। आठ गांवों की आशा ने कहा कि उन्होंने गांव में कुछ गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। आठ गांवों की आशा ने कहा कि नियमानुसार कुछ प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती है।
- सेवाएं मिल रही हैं - छह गांव की आशा ने कहा कि तीन माह में आगनवाड़ी कार्यकर्ता ने गाइड लाइन के अनुसार स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का आयोजन नहीं किया है। केवल टीकाकरण होता है। आठ गांवों की आशा ने कहा कि कार्यों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ए. एन.एम. का सहयोग प्राप्त होता है।

आशा के प्रति महिलाओं एवं समुदाय की धारना-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - महिलाओं ने कहा कि गर्भावस्था देखभाल और जन्म से छह घंटे के अंदर नवजात शिशु की देखभाल की सलाह आशा नहीं देती है। मामूली बीमारियाँ जैसे सर्दी, खांसी, दस्त की दवाइयाँ नहीं देती है क्योंकि उनके पास दवाइयां नहीं होती हैं। दाई आशा, ए. एन.एम. तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी बातें तथा मुक्त राशि के बारे में नहीं बताती हैं।

सेवाएं मिल रही हैं - छह गांव की महिलाओं ने कहा कि गर्भवती महिलाओं का प्रसव कराने आशा उनके साथ अस्पताल जाती हैं।

बच्चे का स्वास्थ्य-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक माह बच्चों का वजन लेने के बाद कार्ड/चार्ट पर दर्ज नहीं करती है। आठ गांवों की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमें सूचित नहीं करती है। बच्चों का वजन नहीं करती है। आठ गांव की समुदाय की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. पांच साल से कम उम्र के बच्चों का उपचार नहीं करती है। रेफर नहीं करती है और दोबारा देखने के लिए नहीं बुलाती है। घर पर देखने नहीं आती है। अस्पताल से छूटने के बाद घर पर

मिलने नहीं जाती है। गांव के सभी समुदाय की महिलओं ने कहा कि ए.एन.एम. जन्म के समय सामान्य वजनवाले बच्चे या फिर कम वजनवाले बच्चे या दोनों ही स्थिति में घर पर मिलने नहीं आयी।

- सेवाएं मिल रही हैं – आठ गांव की सभी समुदाय की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. माह में कम–से –कम एक बार टीकाकरण के लिए आती हैलेकिन ग्राम स्वास्थ्य दिवस का आयोजन गाइड लाइन के अनुसार नहीं करती हैं.

मातृ स्वास्थ्य गारंटी–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं – आठ गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भ की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. प्रसव से पहले चार बार बी.पी. और पेट की जांच नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. पेशाब की जांच नहीं करती है। आठ गांव की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिलता है। गांव की सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. खानपान, आराम या फिर से सेंटर पर मिलने की सलाह नहीं देती है। गर्भावस्था के दौरान होनेवाले खतरे के संकेत, परिवार नियोजन आदि के बारे में नहीं बताती हैं। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम., आशा या कोई अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रसव के बाद प्रथम सप्ताह में तीन बार मिलने नहीं आयी।

- सेवाएं मिल रही हैं – आठ गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत करती है। आठ गांव की महिलाओं का कहना है कि ए.एन.एम. आयरन की गोलियां देती है। सभी महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. टेटनस की दो सूई देती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एफआरयु/अस्पताल में प्रसव के लिए रेफर करती है। आठ गांव की महिलाओं को आंगनबाड़ी से लागातार पूरक पोषण आहार नहीं मिला।

जननी सुरक्ष योजना–

- सेवाएं मिल रही हैं – 33 गांव की महिलाओं ने कहा कि उन्होंने संस्थागत प्रसव कराये हैं। सात गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल गयी थी। 29 गांव की महिलाओं ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने पर दी जाने वाली राशि 1400 रुपये मिले।

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं – 12 गांव की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। 12 गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल नहीं गयी थी। सात गांव की महिलाओं ने कहा कि घर में प्रसव के दौरान सफाई के पांच बिंदुओं का धयान नहीं रखा गया। उदाहरण के तौर पर नया ब्लेड (डिस्पोजेबल डिलेवरी किट का इस्तेमाल),पानी में उबला हुआ धागा, साबुन से धुला हाथ, साफ जमी़न जहां गर्भवती को लिटाया गया और साफ नाल (नाल पर कुछ नहीं लगाना) का ख्याल नहीं रखा गया है।

प्रतिकुल परिणाम सेवाएं –

- सेवाएं मिल रही हैं – सभी महिलाओं ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में सेवा प्रदाता द्वारा

उपचार करने से मना नहीं किया गया। सभी महिलाओं ने कहा कि उनको रेफरल पर्ची या एंबुलेंस के बिना रेफर किया गया। दस गांव की महिलाओं ने कहा कि सेवा प्रदाता ने उनसे पैसे की मांग की।

अभिवंचित समुदाय का स्कोर देखभाल की गुणवत्ता-

- व्यवयहार अच्छा है - आठ गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. का व्यवहार अच्छा है। 11 गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अच्छा है। 11 गांव की महिलाओं ने कहा कि डाक्टर का व्यवहार ठीक-ठाक है। दो गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक है। चार गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अपमानजनक है। छह गांव की महिलाओं का कहना है कि नर्स का व्यवहार भद्दा है।
- स्वाएं नहीं मिल रही हैं -24 गांव की महिलाओं का कहना है कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालिन सेवाएं प्रदान नहीं की जाती है। पैसे की मांग की जाती है। 14 गांव की महिलाओं का कहना था कि सेवा प्रदाता बदले में पैसे की मांग करते हैं।

सब सेंटर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता-

- आठ उप स्वास्थ्य केंद्र का अपना भवन है। ए. एन.एम. नियुक्त है। दूसरी ए.एन.एम. महिला सब सेंटर पर या करीब के गांव में नहीं रहती है। एम.पी.डब्लू. की नियुक्ति नहीं है। सब सेंटर में पानी उपलब्ध है। सब सेंटर में शौचालय चालू अवस्था में नहीं हैं। सभी सब सेंटर में नियमित बिजली आपूर्ति की व्यवस्था नहीं है। एम.पी. डब्लू के लिए सफाईकर्मी/सहायक की व्यवस्था नहीं है। कुछ सब सेंटर गांव से बाहर हैं।

उपकरण, आपूर्तियां एवं उपलब्धाता-

- एक टेबल और दो कुर्सियां हैं। जांच का मेज/आइ.यू.सी.डी. मेज फोमवाले गद्दे के साथ नहीं है। प्रतीक्षा कर रहे लागों के लिए बैठने का बेंच नहीं है। बिना हाथ की कुर्सी नहीं है। दवाओं का बक्सा है। प्रसव टेबल नहीं है। वयस्क के लिए वजन मशीन 125 किलो क्षमता का है। एक मशीन खराब है। शिशु के लिए वजन मशीन 10 किलो क्षमता का है। मग नहीं है। बालटी है। किरोसिन स्टोव चालू हालत में है। ढक्कन के साथ सॉसपैन नहीं है। पानी का जग नही है। कूड़े की बालटी ढक्कन के साथ नहीं है। रबर/प्लास्टीक सीट दो मीटर नहीं है। डिस्पोजल सामान को फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोरीट के साथ नही है, पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ नही है।
- डिस्पोजल सामान को फेंकने के लिए बालटी ढक्कन के साथ नही है। एप्रन नही हैं, ब्लीचिंग पाउडर है। रूई का बंडल नही है। रजिस्टर/रिकॉर्ड है। हाथ धोने का साबुन और कपड़े साफ करने का साबुन नहीं है। तौलिया नही है। घड़ी नहीं है। लैंप नहीं है। यूरीन टेस्ट कीट नही है। कॉपर टी नही है। कंडोम है। ड्रेसिंग का सामान नहीं है, डिलीवरी कीट नहीं है।

आइ.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची :

- बेसिन (528 एम एल स्टील) नहीं है। गहरा बेसिन 6 लीटर की क्षमता नहीं है। औजार रखने का ट्रे ढक्कन के साथ (310,195,63 एम.एम)

नहीं है। बड़ा टॉर्च 4 बैटरी के साथ नही है। स्टील का ढक्कन के साथ ड्रेसिंग ड्रम (945 लीटर) नही है। हीमोग्लोबीन मीटर नहीं है। टीशु फोरसिप (160 मी0मीटर) नही है। स्ट्रलाइजर है। सीधी सर्जिकल कैची (140 मी0मीटर) नही है। सीम्स युट्रीन डीप्रर/प्रतिकार्क नहीं है। मेजरिंग जग (एक लीटर) नहीं है। फीगमोमेनामीटर एंड्रामीटर (300 मी0मीटर) नहीं है। केलिस हेमोस्टेट फोरसिप (140 मी0मीटर) नहीं है। सीम्स यौनिक वीक्षक दो सीरोवाला नहीं है। यूटराइन साउंड ग्रेडयेट नहीं है। टीका ले जाने वाला डिब्बा दो है। आठ आइस पैक बॉक्स है। पांच स्पंज पकड़नेवाला नही है। सादा फोरसीप 10 नहीं है। सीधी सिलने वाली सूई 10 नहीं है। थोड़ी घूमी हुई सिलने वाली सूई 10 नही है। किडनी ट्रे 4 छोटा 4 बड़ा नही है। क्लीनिकल थर्मामीटर मुंह वाला 1 नहीं है। फीटोस्कोप 1 नही है। ड्रेसिंग फोरसिप स्टील का 160 लीटर 1 नहीं है। आट्री फोरसीप (सीधाी स्टील का 160 लीटर) 1 नहीं है। गर्भनाल काटने का घुमावदार कैंची 1 नहीं है। **तलक्वीस्ट** एचवी स्केल 1 नही है। स्टेथोस्कोप 1 है। हब कटर है। अम्बु थैली, बेबी मास्क के साथ 1 नहीं है। ट्रेकिंग बैंक और टीकाकरण नक्शा 1 नहीं है। माप वाला टेप 1 नहीं है। आइवी स्टैंड नहीं है। स्ट्रलाइजर बायलर है, लेकिन खराब है। वीपी मशीन है, ग्लब नहीं है। आइ.यू.सी.डी. कीट नहीं है।

दवाइयां :

- आरसीएच कीट है। आर.सी.एच. कीट बी है। ओ.आर.एस. आशा के पास है। ओ.आर.एस. बच्चों वाली है। आइ.एफ.ए. बड़ा है। आइ.एफ. ए छोटा भी है।

सेवा की उपलब्धता :

- सब सेंटर पर ए.एन.सी. की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर प्रसव की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर एन.एन.एम. प्रसवा कराने में प्रशिक्षित है। जटिल प्रसव में रेफरल स्लिप नहीं दिया जाता है। बच्चों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। ए.आर.आइ. के उपचार की सुवधिा नहीं है। डायरिया के इलाज की सुविधा है। नोट- ओ. आर.एस. आशा के पास है। आर.टी.आइ. के लिए रेफरल की सुविधा है। परिवार नियोजन की गोलियां व कंडोम उपलबध है। आइ.डी.यू. लगाने की सुविधा है। कुपोषण के लक्षण व बचाव की जानकारी मिलती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता :

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने-जाने के लिए नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन सुविधा है। हर मौसम में सड़क सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में है। एंबुलेस कार्यशील अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत अच्छी है। नियमित पानी की सुविधा है। नियमित बिजली / जेनेरेटर की सुविधा है। शौचलय चालू अवस्था में है। फोन की सुविधा है। प्रयोगशाला है। सभी बिस्तर/बेड चालू हालत में है। छह बेडसीट है। पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्वार्टर नहीं है।

कर्मचारियों की आवश्यक सूची आइ.पी.एच.एस. दिशा निर्देश प्रति अनुसार:

- दो मेडिकल ऑफिसर रेगुलर हैं. एक

फार्मासिस्ट है। नर्स मिडवाइफ है। एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता है। एक पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं है। सहायक महिला कार्यकर्ता नहीं है। नेत्र सहायक नहीं है। दो कर्लक है। डेटा हैंडलर है।

उपकरण एवं उपलब्धता :

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सामान्य है:

  ऑक्सीजन सिलिंडर है। वैक्सीन ले जाने के लिए दो डिब्बा हर सब सेंटर के लिए है। पी. एच.सी. के लिए एक डिब्बा है। दो बीपी मशीन है। दो स्टैथोस्कोप है। वयस्क वजन स्केल है। बच्चों का वजन स्केल है। वाइनाकुलर माइक्रोस्कोप नहीं हैं। ऑटो क्लेव है। फ्रीज है। कोल्ड बक्सा हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। आइस पैक हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। फ्रीज टैग हर आइ.एल.आर. के लिए है। आइस बाक्स है। सामान्य डिलिवरी कीट है। वैक्युम प्रसव के लिए औजार है। फोरिसिप प्रसव के लिए औजार नहीं है। सर्जिकल सेट इपिस्टोमीस के लिए नहीं है। एम.बी.ए. का औजार नहीं है, कूड़ा फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोराइड तथा ब्लीच के साथ है। थर्मामीटर है। कंप्यूटर, इंटरनेट की सुविधा है। आंखों की देखभाल तथा दृष्टि परीक्षण के लिए उपकरण नहीं है। बैटरी के साथ टार्च है। आवश्यक प्रयोगशाला जांच उपकरण है। नवजात शिशु देखभाल की सुविधा है। लंबाई मापने वाला स्केल है। नवजात शिशु के लिए 200 वाट बल्बवाला टेबल लैंप है। नवजात शिशु के आकार का **स्ल्प इन्फलैटीग** बैग और मास्क है। लेरिनगोस्कोप तथा एंडोटेकल इंटुवेशन नहीं है। बलगम निकालने के लिए पैर से संचालित सक्सन मशीन है। बच्चे को दूध पिलाने की ट्यूब नहीं है। स्पंज को पकड़ने के लिए दो फोरसिप है। गर्भाशय फोरसिप दो है। टेनाकुलम गर्भाशय फोरसिप दो है। एम.वी.ए. सीरिज और कैनुबेल 4–8 आकार का है। किडनी ट्रे एम.वी.ए. सीरिज खाली करने के लिए है। **टिशु टेनर** नहीं है। सूखा बैटरी 1.5 वोल्ट है। कार्टन को डुबाने के लिए एंटीसेप्टिक कटोरा है। गंदे उपकरण रखने के लिए क्लोरिनयुक्त ट्रे है। पूरी तरह से चालू हालत में प्रसव के लिए औजार है।

फर्नीचर

- छह प्लास्टिक कुर्सी इंडोर पेशेंट के लिए है। बिना हत्थे वाली सोलह कुर्सियां है। स्टील की चार अलमारी है। टीकाकरण/परिवार नियोजन/परमार्श के लिए टेबल है। प्रतिक्षारत लोगों के लिए दो बेंच है। पहिए वाली कुर्सी नहीं है। दो स्ट्रेचर नहीं है। लोहे की एक स्क्रीन है। पायदान पांच नहीं है। कोट टांगने के लिए दो हैंगर नहीं है। बिस्तर के बगल की मेज है। छह बेड गाइड टेबल है। बारह इंडोर पेशेंट के लिए लोहे का छह बिस्तर है। बच्चे का पालना दो नहीं है। स्टूल सात है। मेडिसिन चेस्ट एक है। लैंप एक है। लकड़ी का दो साइड रैक और स्टील का दो रैक है। पंखा छह है। ट्यूबलाइट 8 है। बेसिन स्टैंड दो है। बालटी चार है। एक–एक एल.पी.जी. और किरोसिन स्टोव है। एल.पी.जी. सिलिंडर एक है। ढक्कन के साथ सॉसपैन दो नहीं है। पानी स्टोर करने के लिए तीन रबड़/पलास्टिक संटिग 2 मीटर है। ड्रम पानी स्टोर करने के लिए दो है। गद्दा 12 है। फोम गद्दा ओटी के लिए दो है। प्रसव के लिए फोम

गद्दे दो है। बिस्तर के लिए 15 चादरें हैं। पंद्रह तकिया खोल के साथ नहीं है। कंबल 12 है। बच्चों का कंबल चार है। तौलिया 12 है। 20 मीटर पर्दा रॉड के साथ है। कचरा रखने के लिए पांच डिब्बे हैं।

सेवा उपलब्धता :

- प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र इसलामपुर सामान्य सेवाएं उपलब्ध है।

  प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से प्रसव पूर्व चिकित्सा आयोजित की जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में छोटे घावों का प्राथमिक उपचार किया जाता है। घावों एवं फोड़ो की सूक्ष्म सर्जरी की जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जले हुए मरिजों का प्राथमिक उपचार नहीं किया जाता है। 24 घंटे सामान्य प्रसव सुविधा उपलब्धा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अनीमिया के मरीजों के खून की जांच नहीं होती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिला के पेशाब की जांच होती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्त्रियों के प्रजनन रोग संबंधी समस्याओं की अंदरूनी जांच की सुविधा नहीं है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्त्री रोग जैसे, सफेद प्रदर, मासिक धर्म विकार का उपचार नहीं होता है। एम.टी.पी. गर्भपात की सुविधा नहीं है। नवजात शिशु की देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।

अनौपचारिक खर्च:

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इसलामपुर सुविधा समान है।

  अस्पताल में नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध नहीं है। बाहर से दवा खरीदने को कहा गया। बाहर से जांच कराने के लिए कहा गया। प्राइवेट या सरकारी डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा गया। नर्स व अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने पैसे की मांग की।

देखभाल की गुणवत्ता:

- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, इसलामपुर सुविधा समान है।

  डॉक्टर से मिलने के लिए दो से तीन घंटा इंतजार करना पड़ा। डॉक्टर द्वारा की गई जांच एवं चेकअप की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है। डॉक्टर एवं अन्य सहायक कर्मचारियों का व्यवहार कुछ रोगियों के साथ खराब था। अस्पताल को साफ-सुथरा नहीं पाया।

रोगी कल्याण समिति :

- इसलामपुर रोगी कल्याण समिति का कार्यरत है।

  गठन के बाद से रोगी कल्याण समिति की बैठकें हुई हैं। सेंटर पर रोगी चार्टर नहीं है। सेंटर पर रोगियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए शिकायत पेटी है। प्रतिक्रिया एकत्र की गयी और रोगी कल्याण समिति के साथ इस पर चर्चा हुई। रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। रोगी कल्याण समिति से संबंधित फंड का व्यय (7800 रुपये) /रोगियों के कल्याण के लिए उठाये गये कदम। शुद्ध पानी के लिए कैंट आर.ओ. लगाया गया है। मरीजों के लिए भर्ती सेंटर उपलब्ध है। मरीजों के लिए एंबुलेंस 24 घंटा उपलब्ध है। रोगियों की शिकायत निवारण के लिए उठाये गये कदम। शिकायत मिलने पर उसका निवारण किया जाता है।

विचार :

- सचिव-मो निजामुउद्दीन (समा विकास

समिति, इसलामपुर) का कहना था कि आज इस जनसंवाद में जो भी मामला उठ रहा है, उसपर सरकारी अस्पताल के पदाधिकारीयों को अधिक ध्यान देना चाहिए। भविष्य में इस तरह की घटना न हो इसपर अधिक धयान देने की जरूरत है। कुछ दवाएं ऐसी भी होती हैं। जो अस्पताल में उपलब्ध नहीं होती है। लेकिान दवा खत्म होने पर प्रभारी को चाहिए कि जल्द से जल्द दवाइयां उपलब्ध करायी जायें। ताकि लोगों को कठिनायों का सामना न करना पड़े।

केस न0-1

- **राजमंती देवी** 24.06.13 को प्रसव कराने के लिए इसलामपुर के सरकारी अस्पताल गयी थीं। महमूदा पंचायत के महमूदा गांव की राजमंती सृजन चौधरी की पत्नी हैं। उन्होंने बताया कि एक रुपये का रशीद कटवाकर वह अस्पताल में एडमिट हुई थीं। लेकिन, वहां मरीजों को देखने वाला कोई नहीं था। नर्स भी देखने के लिए तैयार नहीं थी। बहुत गिड़गिड़ाने पर नर्स बोली कि दवा बाहर से ले आओ, तो मैं दे दूंगी। तब मेरे परिवार वाले 100 रुपये की दवा खरीदकर लाये। जब वह दर्द से कराह रही थीं, तब मदद मांगने पर नर्स ने मारने के लिए हाथ उठाया और कहा, क्या सिर्फ तुम्हें ही बच्चा हो रहा है। यहां आयी हो, तो चिल्लाओ मत नहीं तो बांधा कर मारूंगी। वह बहुत गुस्से में थी। चार घंटे के बाद उन्होंने लड़के को जन्म दिया, तो वह पैसे की मांग करने लगी। पैसे नहीं देने पर उनकी सास से झगड़ने और गाली देने लगी। अंत में जब वह नहीं मानी तो 100 रुपये देने पड़े।

निर्णय :

डॉ साहब ने कहा, कि राजमंती के साथ जो घटना हुई उसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। वे प्रभारी तथा प्रबंधक सेबात करेंगे।

जन संवाद प्रतिवेदन - नूरसराय

स्थान:- प्रखंड परिसर मैदान

आयोजक:- सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिर्सोस मैनेजमेंट

प्रायोजक:- पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसाइटी

निर्णायक मंडल के सदस्य :-

1. श्री उमेश कुमार (समाजिक कार्यकर्ता)
2. श्री श्रवण कुमार गुप्ता (समाजिक कार्यकर्ता)

दिनांक:- 14.02.2014

दिनांक:- 14.02.2014 को प्रखंड कार्यालय परिसर मैदान, नूरसराय में चार्म संस्थान द्वारा समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य के मुद्दों पर जनसंवाद आयोजित किया गया। जिसकी अधयक्षता उमेश कुमार ने की।

जनसंवाद में स्वास्थ्य प्रदाता की तरु से डा0 ज्ञौलेन्द्र सिन्हा उपस्थित थे। निर्णायक मंडल में उमेश कुमार व श्रवण कुमार गुप्ता शामिल थे। सेंटर ग्रॉर हेल्थ एंड रिर्सोस मैनेजमेंट से मो0 अरमान उर रेहमान व जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार जनसंवाद को देखने पहुंचे थे।

चार्म संस्था के नूरसराय प्रखंड समन्वयक चन्द्रउदय कुमार ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। परिवर्तन अभिकर्ता अंजनी देवी एवं साथी ने स्वागत गीत गाये।

चन्द्रउदय कुमार ने जन संवाद एवं समुदाय आधारित नियोजन व अनुश्रवण कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।राजगीर प्रखंड समन्वयक रौशन कुमार ने ग्राम रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

रोगों की निगरानी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- आठ गांवों में जल स्रोतों, क्लोरिन की गोलियां आंत्रशोथ, पीलिया, खसरा, दस्त और मलेरिया के बारे में जानकारी इकट्ठा करने की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। मलेरिया एवं डायरीया के प्रकोप के बारे में सूचनाएं नहीं मिल रही हैं। गर्भावस्था, जन्म व मृत्यु का पंजीकरण की सेवाएं समुदाय को नहीं मिल रही हैं।

बाहरी कार्यकर्ताओं द्वारा उपचार योग्य सेवाएं-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- स्वास्थ्य केंद्र पर रुेरल सेवाएं नहीं मिल रही हैं, गांव में बुखार, खासी या दस्त की दवाएं नहीं मिलती हैं। दुर्घटना/अप्रत्याशित घटना (ऐक्सिडेंट) की स्थिति में एवं मलेरिया पॉजिटिव के लिए गांव में प्राथमिक चिकित्सा/उपचार नहीं होता है।
- सेवाएं मिल रही हैं- 53 गांव में स्वास्थ्य व पोषण दिवस गाइड लाइन के अनुसार आयोजित नहीं होता है। केवल टीकाकरण का काम होता है। टी. बी की दवा मिल रही है।

मुक्त राशि-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- सभी गांव में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति को मुक्त राशि की कोई जानकारी नहीं है.मुक्त राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाने के लिए परिवहन सहायता नहीं मिल रही है। ए.एन.एम./आशा कोई दवा व स्वच्छता सामग्री नहीं खरीदती। किसी गांव

में तीन माह में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वाच्छता समिति द्वारा जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया है।

देखभाल की गुणवत्ता–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– 62 गांव के लोगों का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालीन सेवाएं नहीं दी जाती हैं। चार गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक है।
- पैसे की मांग–17 गांव की महिलाओं का कहना था कि सेवा के बदले में पैसे की मांग की जाती है।

आशा कार्यकर्ता की भुमिका एवं जिम्मेदारी–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– 6 गांव की आशा ने कहा कि नियमानुसार प्रोत्साहन राशि नहीं मिलती है। 53 गांव की आशा ने कहा कि पिछले तीन माह में एएनएम या अन्य किसी सबंधित व्यक्ति ने रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया है। पिछले तीन माह में किसी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एस.डी.एच. (अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्र) में रेफरर नहीं किया गया है।
- आंशिक सेवाएं मिल रही हैं– 6 गांव की आशा ने कहा, उसने गांव में गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 11 गांव की आशा ने कहा कि उसने गांव में कुछ गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 12 गांव की आशा ने कहा कि नियमानुसार कुछ आर्थिक प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती है।
- सेवाएं मिल रही हैं– 53 गांव की आशा ने कहा कि तीन माह में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का गाइड लाइन के अनुसार आयोजन नहीं किया है। केवल टीकाकरण होता है। 62 गांव की आशा ने कहा कि कार्यों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. का सहयोग प्राप्त होता है।

आशा के प्रति महिलाओं एवं समुदाय की धारणा –

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– महिला समुदाय ने कहा कि गर्भावस्था में देखभाल और छह घंटे के अंदर नवजात शिशु की देखभाल की सलाह आशा नहीं देती है। मामूली बीमारियां जैसे सर्दी, खांसी, दस्त के लिए दवाइयां नहीं देती हैं क्योंकि उनके पास दवाइयां नहीं होती हैं। आशा, ए.एन.एम. व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी बातें और मुक्त राशि के बारे में नहीं बताती हैं।
- सेवाएं मिल रही हैं– 8 गांव की महिलाओं ने कहा, आशा गर्भवती महिलाओं के साथ प्रसव के लिए अस्पताल जाती हैं।

बच्चे का स्वास्थ्य–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– महिलाओं ने कहा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक माह बच्चों का वजन लेने के बाद उसको कार्ड/चार्ट पर दर्ज नहीं करती हैं। 6 गांव की महिलाओं ने कहा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमें सूचित नहीं करती है। वजन नहीं करती है। 8 गांव की महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. पांच साल से कम उम्र के बच्चों का उपचार नहीं करती है। रेफरल या दोबारा देखने के लिएं नहीं बुलाती है। घर पर देखने व अस्पताल से छूटने के बाद घर पर मिलने नहीं जाती हैं। सभी गांव की महिलओं ने कहा कि ए.एन.एम. जन्म के समय सामान्य वजनवाले बच्चे या फिर कम वजन वाले बच्चे या दोनों ही स्थिति में घर पर मिलने नहीं आयी।

- सेवाएं मिल रही हैं- 6 गांव की की महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. माह में कम-से-कम एक बार टीकाकरण के लिए तो आती है, लेकिन ग्राम स्वास्थ्य दिवस का आयोजन गाइडलाइन के अनुसार नहीं करती है।

मातृ स्वास्थ्य गारंटी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- 8 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. ने प्रसव से पहले 4 बार बी.पी और पेट की जांच नहीं करती है। सभी महिलओं ने कहा, ए.एन.एम. पेशाब की जांच नहीं करती है। 6 गांव की महिलाओं ने कहा, आंगनवाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिलता है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. खानपान/आराम/फिर से सेंटर पर मिलने/गर्भावस्था में खतरों के संकेत/परिवार नियोजन आदि के बारे में नहीं बताती है। सभी महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम./आशा/कोई अन्य स्वास्थ्यकर्ता प्रसव के बाद प्रथम सप्ताह में तीन बार मिलने नहीं आयी।
- सेवाएं मिल रही हैं- 6 गांव की महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत करती है। 6 गांव की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. आयरन की गोलियां देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. टेटनस की दो सूई देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एफआरयु/अस्पताल में प्रसव के लिए रेफर करती है। 8 गांव की महिलाओं को आंगनबाड़ी से लागातार पूरक पोषण आहार नहीं मिला।

जननी सुरक्ष योजना-

- सेवाएं मिल रही हैं- 34 गांव की महिलाओं ने कहा, संस्थागत प्रसव कराया ह।. 6 गांव की महिलाओं ने कहा, आशा उनके साथ अस्पताल गयी थी। 27 गांव की महिलाओं का कहना था, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने पर दी जाने वाली 1400 रुपये की राशि प्राप्त हुई है।
- सेवाएं नहीं मिल रही हैं-16 गांव की महिलाओं ने कहा, संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। 13 गांव की महिलाओं ने कहा, आशा उनके साथ नहीं गयी थी। 6 गांव की महिलाओं ने कहा, घर में प्रसव के दौरान सफाई के पांच बिंदुओं का ध्यान नहीं रखा गया। नया ब्लेड (डिस्पोजबल डिलेवरी किट का इस्तेमाल)पानी में उबला हुआ धागा, साबुन से धुले हाथ, साफ जमी़न जहां गर्भवती को लिटाया गया, साफ नाल (नाल पर कुछ नहीं लगाना) आदि का ध्यान नहीं रखा गया।

प्रतिकुल परिणाम सेवाएं-

- सेवाएं मिल रही हैं-सभी महिलाओं ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में सेवा प्रदाता द्वारा उनका उपचार करने से मना नहीं किया गया.सभी महिलाओं ने कहा कि उनको रुरल पर्ची या एंबुलेंस के बिना रुर किया गया.13 गांव की महिलाओं ने कहा कि सेवा प्रदाता ने उनसे पैसे की मांग की.

अभिवंचित समुदाय का स्कोर देखभाल की गुणवत्ता-

- व्यवहार अच्छा है- 8 गांव की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. का व्यवहार अच्छा है। 14 गांव की महिलाओं का कहना है कि नर्स का व्यवहार अच्छा है। 13 गांव की महिलाओं का

कहना था कि डॉक्टर का व्यवहार अच्छा/ठीक –ठाक है। दो गांव की महिलाओं का कहना था, कि डॉक्टर का व्यवहार अपमानजनक है। चार गांव की महिलाओं का कहना था, नर्स का व्यवहार अपमानजनक है। 06 गांव की महिलाओं का कहना था, नर्स का व्यवहार भद्दा है। सेवाएं नहीं मिल रही हैं– 24 गांव की महिलाओं का कहना था, पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालिन सेवाएं प्रदान नहीं की जाती हैं। पैसे की मांग की जाती है। 16 गांव की महिलाओं कहना था कि सेवा प्रदाता बदले में पैसे की मांग करते हैं।

सब सेंटर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता–

- 8 उप स्वास्थ्य केंद्र का अपना भवन है। ए.एन.एम. नियुक्त है। दूसरी एएनएम महिला सब सेंटर पर या करीब के गांव में नहीं रहती है। एम.पी.डब्लू.की नियुक्ति नहीं है। सब सेंटर में पानी की नियमित उपलब्धता है। सब सेंटर में शौचालय चालू अवस्था में नहीं है। सभी सब सेंटर में नियमित बिजली की व्यवस्था नहीं है। एम.पी.डब्लू. के लिए सफाईकर्मी/सहायक की व्यवस्था नहीं है। कुछ सब सेंटर गांव से बाहर है।

उपकरण, आपूर्तियां एवं उपलब्धता–

- एक टेबुल है। कुर्सी दो है। जांच की मेज/आइयूसीडी मेज फोम वाले गद्दे के साथ नहीं है। प्रतिक्षा कर रहे लोगों के लिए बेंच नहीं है। बिना हाथ की तीन कुर्सी नहीं है। दवाओं का बक्सा है। प्रसव टेबुल नहीं है। वयस्क के लिए वजन मशीन 125 किलो क्षमता का है। एक का मशीान खराब है। शिशु के लिए वजन मशीन 10 किलो क्षमता का है। मग नहीं है। बालटी है। किरोसिन स्टोव एक चालू हालत में है। ढक्कन के साथ सॉसपैन एक नहीं है। पानी का जग एक नहीं है। कूड़े की बालटी ढक्कन के साथ एक नहीं है। रबर/प्लास्टिक सीट दो मीटर नही है। डिस्पोजेबल सामान को फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोरीट के साथ नही है। पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ नही है। डिस्पोजेबल सामान को फेंकने के लिए बालटी ढक्कन के साथ नही है। एप्रन नहीं है। ब्लीचिंग पाउडर है। रूई का बंडल नही है। रजिस्टर/रिकॉर्ड है। हाथ धोने का साबुन और कपड़े साफ करने का साबुन नहीं है। तौलिया नही है, घड़ी नहीं है। लैंप नही है। यूरीन टेस्ट किट नहीं है। कॉपर टी नहीं है। कंडोम है। ड्रेसिंग नहीं है। डिलीवरी किट नहीं है।

आइ.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची–

- बेसिन 528 एमएल स्टील का नहीं है। गहरा बेसिन 6 लीटर की क्षमता का नहीं है। औजार का ट्रे ढक्कन के साथ (310, 195, 63 एमएम)नहीं है। बड़ा टॉर्च 4 बैटरी के साथ नहीं है। स्टील का ढक्कन के साथ ड्रेसिंग ड्रम (945 लीटर) का नहीं है। हीमोग्लोबीन मीटर नहीं है। टीशु फोरसिप (160 मी0मीटर) नहीं है। स्ट्रलाइजर एक है। सीघी सर्जिकल कैची (140 मी0मीटर) नहीं है। सीम्स युट्रीन डीप्रज़र/प्रतिकर्ज़क 1 नही है, मेजरिंग जग एक लीटर का नहीं है। फीगमोमेनामीटर एंड्रामीटर (300 मी0मीटर) नहीं है। केलिस हेमोस्टेट फोरसिप (140 मी0मीटर) नहीं है। सीम्स यौनिक वीक्षक दो सिरों वाला 2 नहीं है। यूटराइन साउंड ग्रेडयेट 1 नहीं है। टीका को ले जाने वाला डिब्बा 2 है। आइसपैक बॉक्स 8 है। स्पंज को पकड़नेवाला 5 नही है। सादी फोरसीप 10 नही है। सीधाी सिलने वाली सूई 10 नहीं है। थोड़ी धुमी हुयी सिलने वाली सूई 10 नहीं

है। किडनी ट्रे 4 छोटा 4 बड़ा नही है। क्लीनिकल थर्मामीटर मुंह वाला नहीं है। फीटोस्कोप नहीं है। ड्रेसिंग फोरसिप स्टील का (160 लीटर) नहीं है। ऑट्री फोरसीप सीधी स्टील का 160 लीटर नहीं है। गर्भनाल काटने का कैची घुमावदार नहीं है। तलक्वीस्ट एच0वी0 स्केल 1 नही है, स्टेथेस्कोप है। हब कटर है। अम्बु थैली, बेबी मास्क के साथ नहीं है। ट्रेकिंग बैंक और टीकाकरण बक्सा नही है। मापवाला टेप नहीं है, आइ/वी स्टैंड नही है। स्ट्रलाइजर ब्वॉयलर खराब है। बी.पी मशीन है। ग्लब्स नहीं है। आइयूसीडी किट नहीं है।

दवाइयां–

- आर.सी.एच. किट है। आर.सी.एच. किट बी है। ओ.आर.एस. आशा के पास है। ओ.आर.एस. बच्चों वाला है। आइ.एफ.ए. बड़ा है। आइ.एफ.ए. छोटा है।

सेवा की उपलब्धता–

- सब सेंटर पर एएनसी की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर प्रसव की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर एन.एन.एम. प्रसव कराने में प्रशिक्षित है। जटिल प्रसव में रफेरल स्लिप नहीं दिया जाता है। बच्चों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। ए.आर.आइ. के उपचार की सुविधा नहीं है। डायरिया के इलाज की सुविधा है। नोट – ओ.आर.एस. आशा के पास है। आर.टी.आइ. के लिए रेफरल की सुविधा है, परिवार नियोजन की गोलियां, कंडोम उपलबध है। आइ.डी.यू. लगाने की सुविधा है। कुपोषण की जानकारी देती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संरचना और कर्मियों की उपलब्धाता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने– जाने के लिए नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने–जाने के लिए हर मौसम में सड़क सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में है। एंबुलेस कार्यशील अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अच्छी हालत में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नियमित पानी की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित बिजली/जेनेरेटर से आपूर्ति है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय चालू अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फोन की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रयोगशाला है। सभी बिस्तर/बेड चालू हालत में है। 6 बेडसीट है। पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्वार्टर नहीं है।

कर्मचारियों की आवश्यक सूची आइ.पी.एच.एस. दिशा निर्देश के अनुसार –

- मेडिकल ऑफिसर 2 रेगुलर है। फार्मासिस्ट 1 है। नर्स मिडवाइ है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला 1 है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता पुरुष 1 नहीं है। सहायक कार्यकर्ता महिला 1 नहीं है। नेत्र सहायक 1नहीं है। कर्लक 2 है। डेटा हैंडलर 1 है।

उपकरण एवं उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सामान्य है–

  ऑक्सीजन सिलिंडर है। वैक्सीन ले जाने के लिए डिब्बा दो हर सब सेंटर के लिए तथा एक पी.एच.सी. के लिए है। बी.पी मशीन 2 है। स्टैथोस्कोप 2 है। वयस्क वजन स्केल है। बच्चों का वजन स्केल है। वाइनाकुलर माइक्रोस्कोप नहीं है। आटो क्लेव है। फ्रीज है। कोल्ड बक्सा 8, 25 और 60 आइस पैक हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। फ्रीज टैग दो हर आइ.एल.आर. के लिए हर है। आइस बॉक्स है, सामान्य डिलिवरी किट है। वैक्युम प्रसव के लिए औजार है। फोरिसिप प्रसव के लिए औजार नहीं है। सर्जिकल सेट एपिस्टोमीस के लिए नहीं है।

एम.बी.ए. का औजार नहीं है। कूड़ा फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोराइड तथा ब्लीच के साथ है। थर्मामीटर है। कंप्यूटर, इंटरनेट की सुविधा है। आंखों की देखभाल तथा दृष्टि परीक्षण के लिए उपकरण नहीं है। बैटरी के साथ टार्च है। आवश्यक प्रयोगशाला जांच उपकरण है। आवश्यक नवजात शिशु देखभाल की सुविधा है। लंबाई मापने वाला स्केल है। नवजात शिशु के लिए टेबल लैंप 200 वाट बल्ब वाला है। नवजात शिशु के आकार का स्ल्प इन्फलैटीग बैग और मास्क है। लेरिनगोस्कोप तथा एंडोटेकल इंटुवेशन नहीं है। बलगम निकालने के लिए पैर से संचालित सक्शन मशीन है। बच्चे को दूधा पिलाने का ट्यूब नहीं है। स्पंज को पकड़ने के लिए फोरसिप 2 है। गर्भाशय फोरसिप 2 है। टेनाकुलम गर्भाशय फोरसिप 2 है। एम.वी.ए. सीरीज और कैनुबेल 4–8 आकार का है। किडनी ट्रे एम.वी.ए. सीरीज खाली करने के लिए है। टिशु टेनर नहीं है। सूखा बैटरी 1.5 वोल्ट है। कार्टन को डुबाने के लिए एंटीसेप्टिक कटोरा है। गंदे उपकरण रखने के लिए क्लोरिनयुक्त ट्रे है। पूरी तरह से चालू हालत में प्रसव के लिए औजार है।

फर्नीचर–

- प्लास्टिक कुर्सी 6 इंडोर पेशेंट के लिए है। बिना हत्थेवाली कुर्सी 16 है। स्टील का अलमारी 4 है, टीकाकरण/परिवार नियोजन/परमार्श के लिए टेबल है। प्रतिक्षा के लिए बेंच 2 है। पहिए वाली कुर्सी नहीं है। स्ट्रेचर 2 नहीं है। लोहे की स्क्रिन 1 है। पायदान 5 नहीं है। कोट रखने के लिए हैंगर 2 नहीं है। बिस्तर के बगल की मेज है। 6 बेड गाइड टेबल है। 12 इंडोर पेशेंट के लिए लोहे का बिस्तर 6 है। बच्चे का पालना 2 नहीं है। स्टूल 7 है। मेडिसिन चेस्ट 1 है। लैंप 1है। लकड़ी का साइड रैक है। पंखा 6 है। ट्यूबलाइट 8 है। बेसिन स्टैंड 2 है। बालटी 4 है। एल.पी.जी. स्टोव 1 किरोसिन स्टोव है। एल.पी.जी. सिलिंडर 1है। ढक्कन के साथ सॉसपैन 2 नहीं है। पानी स्टोर करने के लिए ड्रम 2 है। रबड़/प्लास्टिक संटिग 2 मीटर है। गद्दा 12 है। फोम गद्दा ओटी के लिए 2 है। प्रसव के लिए फोम गद्दे 2 है। बिस्तर की चादर 15 है। तकिया खोल के साथ 15 नहीं है। कंबल 12 है। बच्चों का कंबल 4 है। तौलिया 12 है। 20 मीटर पर्दा रॉड के साथ है। कचरे का डिब्बा 5 है।

सेवा उपलब्धता–

- प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नूरसराय. समान सेवाएं उपलब्ध हैं।
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से प्रसव पूर्व चिकित्सा आयोजित की जाती है। छोटे घावों का प्राथमिक उपचार किया जाता हैं घावों एवं फोड़ो की सूक्ष्म सर्जरी की जाती है। जले हुए मरीजों का प्राथमिक उपचार नहीं किया जाता है। 24 घंटे सामान्य प्रसव सुविधा उपलब्ध है। अनीमिया के मरीजों के खून की जांच नहीं होती है। गर्भवती महिला के पेशाब की जांच होती है। स्त्रियों के प्रजनन रोग संबंधी समस्यायों में अंदरूनी जांच की सुविधा नहीं है।स्त्री संबंधी रोग जैसे–सफेद प्रदर, मासिक धर्म विकार का उपचार नहीं होता है। एम.टी.पी. गर्भपात की सुविधा नहीं है। नवजात शिशु की देखभाल की सुविधाा उपलब्ध है।

अनौपचारिक खर्च–

- प्राथमिक स्वा0 केंद्र, नूरसराय. सुविधा समान है।
- अस्पताल से नि:शुल्क दवाइयां नहीं मिलती है।

बाहर से भी दवा खरीदने को कहा जाता है। बाहर से जांच के लिए कहा जाता है। प्राइवेट या सरकारी डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा जाता है। नर्स या अन्य स्वास्थ्यकर्ता पैसे की मांग करते हैं।

देखभाल की गुणवत्ता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नूरसराय सुविधा समान है।
- डॉक्टर से मिलने के लिए 2 से 3 घंटा इंतजार करना पड़ा। डाक्टर द्वारा की गयी जांच एवं चेकअप की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है। डॉक्टर एवं अन्य सहायक कर्मचारियों का व्यवहार कुछ के साथ खराब था। अस्पताल को साफ-सुथरा नहीं पाया।

रोगी कल्याण समिति-

- नूरसराय रोगी कल्याण समिति कार्यरत है।

  गठन के बाद से रोगी कल्याण समिति की बैठकें हुई हैं। रोगी कल्याण समिति की पिछली बैठक भी हुई है। सेंटर पर रोगी चार्टर नहीं है। रोगी कल्याण समिति के साथ रोगी चार्टर पर चर्चा की गयी। सेंटर पर रोगियों की प्रतिक्रिया जानने का शिकायत पेटी की व्यवस्था हैं। प्रतिक्रिया एकत्र की गयी। रोगी कल्याण समिति के साथ इस पर चर्चा हुई। रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये है। रोगी कल्याण समिति से संबंधित फंड का व्यय (7800 रुपये)/रोगियों के कल्याण के लिए उठाये गये कदम। शुद्ध पानी के लिए केंट आर.ओ. लगाया गया है। मरीजों के लिए भर्ती सेंटर उपलब्ध है। मरीजों के लिए एंबुलेंस 24 घंटा उपलब्ध है। रोगियों की शिकायत निवारण के लिए कदम उठाये जाते हैं। शिकायत मिलने पर हमेशा ही उसका निवारण किया जाता है।

विचार-

- श्री उमेश कुमार (सामाजिक कार्यकर्ता) ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम, बिहार सहयोगी पैक्स एवं चार्म संस्थान का धन्यवाद करते हुए कहा, जनसंवाद में उठे मामलों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सरकारी अस्पताल के पदाधिकारियों को कोशिश करनी चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। कुछ दवाएं उपलब्ध नहीं होती हैं, तो प्रभारी भी असमर्थ हो जाते हैं। लेकिन दवाएं खत्म होने से पहले नया स्टॉक मंगवाने का प्रबंध प्रभारी को करना चाहिए. इससे लोगों का कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

केस नंबर-1

- चंडासी गांव की पूजा देवी ने बताया कि सरकारी अस्पताल में डॉक्टर ने कह दिया कि बच्चा पेट में मर गया है। इसे बिहारशरीफ ले जाओ। वहां पेट फाड़कर बच्चा निकाल देगा। लेकिन मेरे पति सुरेश पासवान प्राइवेट अस्पताल में ले गये। वहां बड़ा ऑपरेशन से बच्चा हुआ। बच्चा अब तक ठीक है। सरकारी अस्पताल जाने से कोई फायदा नहीं हुआ। वहां एक रुपये की भी दवा नहीं मिली। इलाज के नाम पर उनके पति से 800 रुपये की दवाएं खरीदवा ली गयी। अस्पताल से 1400 रुपये मिले, लेकिन पहले अपने पैसे खर्च करने पड़े।

निर्णय:- डाक्टर साहब ने कहा, कुछ दवाएं कभी-कभी नहीं रहती हैं.वैसी दवाएं नहीं मिल पाती हैं.चार्म संस्था के अरमान-उर-रहमान ने सवाल किया कि डॉक्टर साहब, आपके अस्पताल में पूजा देवी को बताया गया कि बच्चा उसके पेट में मर चुका है। वह महिला प्राइवेट अस्पताल में स्वस्थ बच्चे को जन्म देती है। उसके पेट में मरा हुआ बच्चा जिंदा हो गया या आपके अस्पताल की डॉक्टर ने

जान-बूझ कर लापरवाही की ? डॉक्टर साहब ने कहा कि दो इलाज करने के बाद बाद ऐसा कहना और प्राइवेट अस्पताल में भेजना अच्छी बात नहीं हैं। लेकिन जब तक मैं केस नहीं देखूंगा। तब तक कुछ कह नहीं सकता।

जन संवाद प्रतिवेदन - राजगीर

स्थान:- राजगीर किला मैदान

आयोजक:-सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रायोजक:- पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसायटी

निर्णायक मंडल के सदस्य के नाम :-

1. सुरेन्द्र प्रसाद तरुण, (पूर्व शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार)
2. डा. सुखनारायण प्रसाद गुप्ता

दिनांक:- 17.02.2014

राजगीर किला मैदान में 17.02.2014 को समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य के मुद्दों पर में चार्म संस्थान द्वारा जनसंवाद का आयोजन किया गया, जिसकी अधयक्षता बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री सुरेन्द्र प्रसाद तरुण ने की।

जन संवाद में स्वास्थ्य प्रदाता की ओर से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, राजगीर एवं स्वास्थ्य प्रबंधाक, राजगीर उपस्थित थे। सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट से मो0 अरमान उर रेहमान एवं जिला समन्वयक ओमप्रकाश कुमार मौजूद थे। चार्म संस्था के नूरसराय प्रखंड समन्वयक चन्द्रउदय कुमार ने लोगों का स्वागत किया। परिवर्तन अभिकर्ता अंजनी दवी व साथियों ने स्वागत गान गाये।

चार्म के नालंदा जिला समन्वयक ओमप्रकाश कुमार ने जनसंवाद व समुदाय आधारित नियोजन और अनुश्रवण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। राजगीर प्रखंड समन्वयक रौशन कुमार ने ग्राम रिपोर्ट पेश किया।

रोगों की निगरानी- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- आठ गांवों में जल स्त्रोतों, क्लोरिन की गोलियां , आंत्रशोथ, पीलिया, खसरा, दस्त एवं मलेरिया के बारे में जनकारी इक्टठा करने की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। मलेरिया एवं डायरीया के प्रकोप के बारे सूचनाएं नहीं मिल रही हैं। गर्भावास्था, जन्म व मृत्यु का पंजीकरण की सेवाएं समुदाय को नहीं मिल रही हैं।

बाहरी कार्यकर्ताओं द्वारा उपचार योग्य सेवाएं-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- स्वास्थ्य केंद्र पर रुरल सेवाएं नहीं मिल रही हैं। गांव में बुखार, खासी या दस्त की दवाएं नहीं मिल रही हैं। दुर्घटना/अप्रत्याशित घटना (ऐक्सिडेंट) की स्थिति और मलेरिया पॉजीटिव के लिए गांव में प्राथमिक चिकित्सा /उपचार नहीं होता है।
- सेवाएं मिल रही हैं- 25 गांवों में स्वास्थ्य व पोषण दिवस गाइडलाइन के अनुसार आयोजित नहीं होता है। केवल टीकाकरण का काम होता है। टीबी की दवा मिल रही है।

मुक्त राशि-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- सभी गांव में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति को मुक्त राशि की कोई जानकारी नहीं है। मुक्त राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाने के लिए परिवहन सेवा नहीं मिल रही है। ए.एन.एम./आशा कोई दवा एवं स्वच्छता सामग्री नहीं खरीदती। किसी गांव में तीन माह में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति द्वारा जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया है।

देखभाल की गुणवत्ता–

- सेवाएं नहीं मिल रही है – चार गांव के लोगों का कहना था कि पीएचसी पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालीन सेवाएं नहीं दी जाती हैं। 17 गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक है।
- पैसे की मांग–17 गांव की महिलाओं का कहना था कि सेवा के बदले में पैसे की मांग की जाती है।

आशा कार्यकर्ता की भुमिका एवं जिम्मेदारी–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– 25 गांव की आशा ने कहा कि नियमानुसार प्रोत्साहन राशि नहीं प्राप्त होती है। आठ गांव की आशा ने कहा कि पिछले तीन माह में ए.एन.एम. या अन्य कोई संदर्भित व्यक्ति ने रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया है। पिछले तीन माह में किसी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एस.डी.एच. (अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्र)में रेफरर नहीं किया गया है।
- आंशिक सेवाएं मिल रही हैं– 12 गांव की आशा ने कहा कि उसने गांव में गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 11 गांव की आशा ने कहा कि उसने गांव में कुछ गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। आठ गांव की आशा ने कहा कि नियमानुसार कुछ आर्थिक प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती है।
- सेवाएं मिल रही हैं– 14 गांव की आशा ने कहा कि तीन माह में आगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का गाइडलाइन के अनुसार आयोजन नहीं किया है। केवल टीकाकरण होता है। आठ गांव की आशा ने कहा कि कार्यों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. का सहयोग प्राप्त होता है।

आशा के प्रति महिलाओं एवं समुदाय की धारणा–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– महिलाओं समुदाय ने कहा कि गर्भावस्था में देखभाल और नवजात शिशु का जन्म से छह घंटे के अंदर देखभाल की सलाह आशा नहीं देती है। मामूली बीमारियां जैसे सर्दी, खांसी, दस्त के लिए दवाइयां नहीं देती है क्योंकि उनके पास दवाइयां नहीं होती हैं। लोगों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी नहीं मिलती है। आशा, ए.एन.एम. व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर स्वास्थ्य संबंधी बातें और मुक्त राशि के बारे में नहीं बताती हैं।
- सेवाएं मिल रही हैं–12 गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा गर्भवती महिलाओं के साथ प्रसव के लिए अस्पताल जाती है।

बच्चे का स्वास्थ्य–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं– महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक माह बच्चों का वजन लेने के बाद उसको कार्ड/चार्ट पर दर्ज नहीं करती है। 14 गांव की समुदाय की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमें सूचित नहीं करती है.वजन नहीं करती है। 12 गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. पांच साल से कम उम्र के बच्चों का उपचार नहीं करती है। दोबारा देखने के लिए नहीं बुलाती है। घर पर देखने नहीं जाती है। अस्पताल से छूटने के बाद घर पर मिलने नहीं जाती है। सभी गांव की महिलओं ने कहा कि ए.एन.एम. जन्म के समय सामान्य वनज वाले बच्चे या फिर कम वजन

वाले बच्चे या दोनों ही स्थिति में घर पर मिलने नहीं आयी।

- सेवाएं मिल रही हैं- 13 गांव की समुदाय की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. माह में कम से कम एक बार टीकाकरण के लिए आती है। लेकिन ग्राम स्वास्थ्य दिवस का आयोजन गाइडलाइन के अनुसार नहीं करती है।

मातृ स्वास्थ्य गारंटी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं-26 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. प्रसव से पहले चार बार बी.पी और पेट की जांच नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. पेशाब की जांच नहीं करती है। 12 गांव की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिलता है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. खानपान/आराम/फिर से सेंटर पर मिलने/गर्भावस्था के दौरण होने वाले खतरे के संकेत/परिवार नियोजन आदि की जानकारी नहीं देती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम./आशा/कोई अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रसव के बाद प्रथम सप्ताह में तीन बार मिलने नहीं आयी।
- सेवाएं मिल रही है-14 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत करती है। 11 गांव की महिलाओं का कहना है कि ए.एन.एम. आयरन की गोलियां देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. टेटनस की दो सूई देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एफआरयु/अस्पताल में प्रसव के लिए रेफर करती है। आठ गांव की महिलाओं को आंगनबाड़ी से लागातार पूरक पोषण आहार नहीं मिला।

जननी सुरक्षा योजना-

- सेवाएं मिल रही हैं- 23 गांव की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव कराया है। 22 गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल गयी थी। 25 गांव की महिलाओं का कहना था कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने पर मिलनेवाली राशि 1400 रुपये प्राप्त हुए।
- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- सात गांव की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। बारह गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल नहीं गयी थी। सात गांव की महिलाओं ने कहा कि घर में प्रसव के दौरान स्काई के पांच बिंदुओं को ध्यान में नहीं रखा गया। मसलन, नया ब्लेड (डिस्पोजवल डिलेवरी किट का इस्तेमाल) पानी में उबला हुआ धागा, साबुन से धुला हाथ, साफ जमी़न जहां गर्भवती को लिटाया गया। साफ नाल (नाल पर कुछ नहीं लगाना)।

प्रतिकुल परिणाम सेवाएं-

- सेवाए मिल रही हैं- सभी महिलाओं ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में सेवा प्रदाता द्वारा उपचार करने से मना नहीं किया गया। सभी महिलाओं ने कहा कि उनको रेफरल परची या एंबुलेंस के बिना रेफर किया गया। 14 गांव की महिलाओं ने कहा कि सेवा प्रदाता ने पैसे की मांग की।

अभिवंचित समुदाय का स्कोर देखभाल की गुणवत्ता

व्यवहार अच्छा है –

- 14 गांव की महिलाओं का कहना था कि एएनएम का व्यवहार अच्छा है। 11 गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अच्छा है। 13 गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार ठीक–ठाक है। चार गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक है। छह गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अपमानजनक है। छह गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार भद्दा है। सेवाएं नहीं मिल रही है–26 गांव की महिलाओं का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालिन सेवाएं प्रदान नहीं की जाती है। पैसे की मांग की जाती है। 13 गांव की महिलाओं का कहना था कि सेवा प्रदाता बदले में पैसे की मांग करते हैं।

सब सेंटर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता–

- 8 उप स्वास्थ्य केंद्र का अपना भवन है। ए.एन.एम. नियुक्त है। दूसरी ए.एन.एम. महिला सब सेंटर पर या करीब के गांव में नहीं रहती है। एम.पी.डब्लू. की नियुक्ति नहीं है। सब सेंटर में पानी की नियमित उपलब्ध है। सब सेंटर में शौचालय चालू अवस्था में नही है। सभी सब सेंटर में नियमित बिजली की व्यवस्था नहीं है। एम.पी.डब्लू. के लिए सफाईकर्मी/सहायक की व्यवस्था नहीं है। कुछ सब सेंटर गांव से बाहर है।

उपकरण, आपूर्तियां एवं उपलब्धता–

- टेबल एक है। कुर्सी दो है। जांच की मेज/आइयूसीडी मेज फोम वाले गद्दे के साथ नहीं है। प्रतीक्षा कर रहे लोगों के लिए बेंच नहीं है। बिना हाथ की कुर्सी तीन नहीं है। दवाओं का बक्सा है। प्रसव टेबल नहीं है। व्यस्क के लिए वजन मशीन 125 किलो क्षमता वाला है। एक का मशीन खराब है। शिशु के लिए वजन मशीन 10 किलो क्षमता वाला है। मग 1 नहीं है, बाल्टी है। केरोसिन स्टोव एक चालू हालत में है। ढक्कन के साथ सॉसपैन एक नहीं है। पानी का जग एक नहीं है। कूड़े की बालटी ढक्कन के साथ एक नहीं है। रबड़/प्लास्टिक सीट 2 मीटर नही है। डिस्पोजेबुल सामान को फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोरिन के साथ नही है। पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ नही है। एक डिस्पोजेबुल सामान को फेंकने के लिए बालटी ढक्कन के साथ नही है। एप्रन नही है। ब्लीचिंग पाउडर है। रुई का बंडल नही है। रजिस्टर/रिकॉर्ड है। हाथ धोने का साबुन और कपड़ा साफ करने का साबुन नही है। तौलिया नही है. घड़ी नहीं है। लैंप नहीं है। युरिन टेस्ट किट नही है। कॉपर टी नही है। कंडोम है। ड्रेसिंग और डिलीवरी किट नही है।

आइ.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची–

- बेसिन 528 एमएल स्टील 1 नहीं है। गहरा बेसिन 6 लीटर की क्षमता का 1 नहीं है। औजार का ट्रे ढक्कन के साथ 310, 195, 63 एम.एम 1 नही है। बड़ा टॉर्च 4 बैटरी के साथ नही है। स्टील का ढक्कन के साथ ड्रेसिंग ड्रम 945 लीटर 1 नही है। हीमोग्लोबीन मीटर 1 नही है। टीशु फोरसिप 160 मिली मीटर 1 नही है। स्टरलाइजर 1 है। सीघी सर्जिकल कैची 140 मिली मीटर 1 नहीं है। सीम्स युट्रीन डीप्रार/प्रतिकर्ज़क 1 नही है।

मेजरिंग जग एक लीटर 1 नहीं है। फीगमोमेनामीटर एन्ड्रामीटर 300 मी0मीटर 1 नही है, केलिस हेमोस्टेट फोरसिप 140 मिली मीटर 1 नही है। सीम्स यौनिक वीक्षक दो सीरो वाला 2 नही है। यूटराइन साउंड ग्रेडयेट 1 नहीं है। टीका को ले जाने वाला डिब्बा 2 है। आइस पैक बॉक्स 8 है। स्पंज को पकड़नेवाला 5 नहीं है। सादी फोरसीप 10 नहीं है। सीधाी सिलने वाली सूई 10 नहीं है। थोड़ी घूमी हुई सिलनेवाली सूई 10 नहीं है। किडनी ट्रे चार छोटा चार बड़ा नही है। क्लीनिकल थर्मामीटर मुंह वाला 1 नही है। फीटोस्कोप 1 नहीं है। ड्रेसिंग फोरसिप स्टील का 160 ली0 1 नहीं है। आट्री फोरसीप सीधी स्टील का 160 ली0 1 नहीं है। गर्भनाल काटने का कैची घुमावदार 1 नहीं है। तलक्वीस्ट एच0वी0 स्केल 1 नही है, स्टेथेस्कोप 1 है। हब कटर है। अम्बु थैली, बेबी मास्क के साथ 1 नहीं है। ट्रेकिंग बैंक और टीकाकरण बक्सा 1 नहीं है। मापनेवाला टेप 1 नहीं है। आई/वी स्टैंड नही है। स्टरलाइजर ब्वायलर है, लेकिन खराब है। बी.पी मशीन है। ग्लब्स नहीं है, आइ.यू.सी.डी. किट नहीं है।

दवाइयां–

- आर.सी.एच. किट है। आर.सी.एच. किट बी है। ओ.आर.एस. आशा के पास है। ओ.आर.एस. बच्चोवाली है। आइ.एफ.ए. बड़ा है। आइ.एफ. ए. छोटा है।

सेवा की उपलब्धता–

- सब सेंटर पर ए.एन.सी. की सेवा उपलब्धा है। सब सेंटर पर प्रसव की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर एन.एन.एम.प्रसव कराने में प्रशिक्षित है। जटिल प्रसव में रेफरल स्लिप नहीं दिया जाता है। बच्चों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। ए. आर.आइ. के उपचार की सुविधा नहीं है। डायरिया के इलाज की सुविधा है। नोट– ओ. आर.एस. आशा के पास है। आर.टी.आइ. के लिए रेफरल की सुविधा है। परिवार नियोजन की गोलियां, कंडोम, उपलबधा है। आइ.डी.यू. लगाने की सुविधा है। कुपोषण से बचाव के लिए जानकारी मिलती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने–जाने के लिए नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने–जाने के लिए हर मौसम में सड़क सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में है। एंबुलेंस सेवा कार्यशील अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अच्छी हालत में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित पानी की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित बिजली/जेनेरेटर की आपूर्ति है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शौचलय चालू अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फोन की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रयोगशाला है। सभी बिस्तर/बेड चालू हालत में है। छह बेडसीट पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्वार्टर नहीं है। पैरामेडिकल के लिए स्टाफ क्वार्टर निवास नहीं है।

कर्मचारियों की आवश्यक सूची आइ.पी.एच.एस. दिशा निर्देश के अनुसार –

- मेडिकल ऑफिसर 2 रेगुलर हैं। फार्मासिस्ट 1 है। नर्स मिडवाइ है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला 1 है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता पुरुष 1 नहीं है। सहायक कार्यकर्ता महिला 1 नहीं है। नेत्र सहायक 1नहीं

है। कल्र्क 2 है। डेटा हैंडलर 1 है।

उपकरण एवं उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सामान्य है–

  ऑक्सिजन सिलिंडर है। वैक्सीन ले जाने के लिए डिब्बा दो हर सब सेंटर के लिए है। पी.एच. सी. के लिए एक डिब्बा है। बी.पी मशीन 2 है। स्टेथोस्कोप 2 है, वयस्क वजन स्केल है। बच्चों का वजन स्केल है। वाइनाकुलर माइक्रोस्कोप हैं। ऑटोक्लेव है। फ्रीज है। कोल्ड बक्सा 8, 25 और 60 आइस पैक हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। स्थिरिता के साथ आइस पैक बक्से से हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। फ्रीज टैग दो हर आइ.एल.आर. के लिए है। आइस बॉक्स है। सामान्य डिलिवरी किट है। वैक्युम प्रसव के लिए औजार है। फोरिसिप प्रसव के लिए औजार है। सर्जिकल सेट इपिस्टोमीस के लिए है, एम. बी.ए. का औजार है। कूड़ा फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोराइड और ब्लीच के साथ है। थर्मामीटर है, कंप्यूटर, इंटरनेट की सुविधा है। आंखों की देखभाल तथा दृष्टि परीक्षण के लिए उपकरण है। बैटरी के साथ टार्च है। आवश्यक प्रयोगशाला जांच उपकरण है। आवश्यक नवजात शिशु देखभाल की सुविधा है। लंबाई मापने वाला स्केल है। नवजात शिशु के लिए टेबल लैंप 200 वाट बल्ब के साथ है। नवजात शिशु के आकार का स्ल्प इन्फलैटीग बैग और मास्क है। लेरिनगोस्कोप तथा एन्डोटेकल इंटुवेज़न है। बलगम निकालने के लिए पैर से संचालित सक्शन मशीन है। बच्चे को दुध पिलाने का ट्यूब है। स्पंज को पकड़ने के लिए फोरसिप 2 है। गर्भाशय फोरसिप 2 है। टेनाकुलम गर्भाशय फोरसिप 2 है। एम.वी.ए. सीरीज और कैनुबेल 4–8 आकार का है। किडनी ट्रे एम.वी.ए. सीरीज खाली करने के लिए है। टिशु टेनर है। सूखा बैटरी 1.5 वोल्ट है। कार्टन को डुबाने के लिए एंटीसेप्टिक कटोरा है। गंदे उपकरण रखने के लिए क्लोरिन युक्त ट्रे है। पूरी तरह से चालू हालत में प्रसव के लिए औजार है।

फर्नीचर

- प्लास्टिक कुर्सी 6 इंडोर पेशेंट के लिए है। बिना हत्थे वाली कुर्सी 16 है। स्टील का अलमारी 4 है। टीकाकरण/परिवार नियोजन/परमार्श के लिए टेबल है। प्रतिक्षा के लिए बेंच 2 है। पहिए वाली कुर्सी 1 है। स्ट्रेचर 2 है। लोहा की स्क्रिन 1 है। पायदान 5 है। कोट रखने के लिए 2 हैंगर है। बिस्तर के बगल की मेज 6 बेड गाइड टेबल है। इंडोर पेशेंट लिए लोहे का बिस्तर 6 है। बच्चे का पालना 2 है। स्टूल 7 है। मेडिसिन चेस्ट 1 है। लैंप 1 है। साइड लकड़ी का रैक 2 स्टील का है। पंखा 6 है। ट्युबलाइट 8 है। बेसिन स्टैंड 2 है। बाल्टी 4 है। एल.पी.जी. स्टोव 1 केरोसिन स्टोव है। एल.पी.जी. सिलिंडर 1 है। ढक्कन के साथ सॉस पैन 2 है। पानी स्टोर करने के लिए 3 रबड़/प्लास्टिक संटिग 2 मीटर है। ड्रम पानी स्टोर करने के लिए 2 है। गद्दा 12 है। फोम गद्दा ओटी के लिए 2 है। प्रसव के लिए फोम गद्दे 2 हैं। बिस्तर की चादर 15 है। तकिया खोल के साथ 15 है। कंबल 12 है। बच्चो का कंबल 4 है। तौलिया 12 है। 20 मीटर पर्दा रॉड के साथ है। कचरे का डिब्बा 5 है।

सेवा उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, राजगीर सामान्य सेवाएं उपलब्ध हैं।

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से प्रसव पूर्व चिकित्सा आयोजित की जाती है। छोटे घावों का प्राथमिक उपचार किया जाता है। घावों एवं ोडो़ की सूक्ष्म सर्जरी की जाती है। जले हुए मरीजों का प्राथमिक उपचार नहीं किया जाता है। 24 घंटे सामान्य प्रसव सुविधा उपलब्ध है। अनीमिया के मरीजों के खून की जांच नहीं होती है। गर्भवती महिला के पेशाब की जांच होती है। स्त्रियों के प्रजनन रोग संबंधी समस्याओं में अंदरूनी जांच की सुविधा नहीं है। स्त्री संबंधी रोग जैसे-सफेद प्रदर, मासिक धर्म विकार का उपचार नहीं होता है। एम.टी.पी. गर्भपात की सुविधा नहीं है। नवजात शिशु की देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।

अनौपचारिक खर्च-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, राजगीर सुविधा सामान्य है।
- अस्पताल से नि:शुल्क दवाइयां नहीं मिलती हैं। बाहर से भी दवा खरीदने को कहा गया। बाहर से जांच के लिए कहा गया। प्राइवेट या सरकारी डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा गया। नर्स या अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने पैसे की मांग की।

देखभाल की गुणवत्ता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, राजगीर सुविधा सामान्य है।
- डाक्टर से मिलने के लिए 2 से 3 घंटा इंतजार करना पड़ा। डाक्टर द्वारा की गयी जांच एवं चेकअप की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है। डाक्टर एवं अन्य सहायक कर्मचारियों का व्यवहार कुछ लोगों के साथ खराब था। अस्पताल को साफ-सुथरा नहीं पाया।

रोगी कल्याण समिति-

- राजगीर रोगी कल्याण समिति का कार्यरत है।
- गठन के बाद से रोगी कल्याण समिति की बैठकें हुई हैं। रोगी कल्याण समिति की पिछली बैठक हुई है। सेंटर पर रोगी चार्टर नहीं है। रोगी कल्याण समिति के साथ रोगी चार्टर पर चर्चा की गयी। सेंटर पर रोगियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए शिकायत पेटी की व्यवस्था है। प्रतिक्रिया एकत्र की गयी। रोगी कल्याण समिति के साथ इस पर चर्चा हुई। रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये है। रोगी कल्याण समिति से संबंधित फंड (7800 रुपये) का व्यय और रोगियों के कल्याण के लिए उठाये गये कदम। शुद्ध पानी के लिए कैंट आर.ओ लगाया गया है। मरीजों के लिए भर्ती सेंटर उपलब्ध है। मरीजों के लिए एंबुलेंस सेवा 24 घंटा उपलब्ध है। रोगियों की शिकायत मिलने पर उसका निवारण किया जाता है।

विचार-

- सुरेन्द्र प्रसाद तरुण, पूर्व शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार का कहना था, जनसंवाद में जो भी मामला उठा है। वह सिर्फ शिक्षा की कमी के कारण हो रहा है। अगर लोग शिक्षित होते, तो उन्हें कोई बेवकूफ नहीं बना पाता। सरकारी अस्पताल के पदाधिकारियों को इस बात की गारंटी करनी चाहिए कि ऐसी शिकायतें भविष्य में न हों।

केस नंबर-1

- सरिता देवी ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए आशा से कहा, तो उसने कहा कि जब तक

पैसे नहीं दोगी जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा। समरता ठाकुरी स्थान की निवासी और बब्लू राजवंशी की पत्नी है।

निर्णय:– डाक्टर साहब ने कहा कि बच्चे के जन्म के 24 घंटे में ही जन्म प्रमाण पत्र बन जाता है. अस्पताल से जाते समय दे दिया जाता है। अगर किसी को जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिला है, तो वह लिख कर शिकायत करे।

जन संवाद प्रतिवेदन - अस्थवां

स्थान:- प्रखण्ड परिसर सदन

आयोजक:- सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रायोजक:- पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसायटी

निर्णायक मंडल के सदस्य के नाम :-

1. अमरेश कुमार (पूर्व शिक्षक)
2. प्रमोद कुमार

दिनांक:- 19.02.2014

प्रखंड परिसर, अस्थावां के मैदान में समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य के मुद्दों पर 19.02.2014 को चार्म संस्था द्वारा जन संवाद आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता अमरेश कुमार पूर्व शिक्षक ने की।

जन संवाद में स्वास्थ्य सेवा प्रदाता की तरफ से पूर्व प्रभारी अस्थावां डा0 नरेश कुमार उपस्थित थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी, अस्थावां, राजेश कुमार गुप्ता, थानाध्यक्ष, अस्थावां, एस.एन. राम, एस.आइ. सुनील कुमार, रोगी कल्याण समिति की राजमणि देवी, पंचायत समति सदस्य गुड़िया देवी, सेन्टर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार भी जनसंवाद देखने आये थे।

चार्म संस्था के नूरसराय प्रखंड समन्वयक चन्द्रउदय कुमार ने लोगों का स्वागत किया। परिवर्तन अभिकर्ता अंजनी देवी और अनुजा देवी ने स्वागत गीत गाये।

चार्म संस्था के नालंदा जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार ने जन संवाद एवं समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। अस्थावां प्रखंड समन्वयक सूरज कुमार ने ग्राम रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

रोगों की निगरानी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- गांवों में जल स्रोतों, क्लोरिन की गोलियां आंत्रशोथ, पीलिया, खसरा, दस्त एवं मलेरिया के बारे में जानकारी इक्टठा करने की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। मलेरिया एवं डायरिया के प्रकोप के बारे में सूचित नहीं किया जाता है। गर्भावस्था, जन्म व मृत्यु पंजीकरण की सेवाएं समुदाय को नहीं मिल रही हैं।

बाहरी कार्यकर्ताओं द्वारा उपचार योग्य सेवाएं-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- स्वास्थ्य केंद्र पर रफेरल सेवाएं नहीं मिल रही हैं। गांव में बुखार, खासी या दस्त की दवाएं नहीं मिलती हैं। दुर्घटना/अप्रत्याशित घटना (एक्सिडेंट) की स्थिति में एवं मलेरिया पॉजीटिव केसों के लिए गांव में प्राथमिक चिकित्सा /उपचार नहीं मिलती हैं।
- सेवाएं मिल रही हैं - गांव में स्वास्थ्य व पोषण दिवस गाइडलाइन के अनुसार आयोजित नहीं होता है। केवल टीकाकरण का काम होता है। टीबी की दवा मिल रही है।

मुक्त राशि-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- गांव में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति को मुक्त राशि की कोई जानकारी नहीं हैं। मुक्त राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाने के लिए परिवहन

सहायता सेवा नहीं मिल रही है। ए.एन.एम. /आशा कोई दवा व स्वच्छता सामाग्री नही खरीदती है। गांव में तीन माह से ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति ने जागरूकता अभियान नहीं चलाया है।

देख-भाल की गुणवत्ता-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- 25 गांव के लोगों का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालीन सेवाएं नहीं दी जाती हैं। 10 गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक था।
- पैसे की मांग-16 गांव की महिलाओं का कहना था कि सेवा के बदले पैसे की मांग की जाती है।

आशा कार्यकर्ता की भूमिका एवं जिम्मेदारी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- आठ गांव की आशा ने कहा, नियमानुसार प्रोत्साहन राशि नहीं मिलती है। 25 गांव की आशा ने कहा कि पिछले तीन माह में ए.एन.एम. या अन्य कोई संदर्भित व्यक्ति ने रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया है। पिछले तीन माह में किसी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एस.डी.एच. (अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्र)में रेफर नहीं किया है।
- आंशिक सेवाएं मिल रही हैं- 26 गांव की आशा ने कहा कि उसने गांव में गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 12 गांव की आशा ने कहा कि उसने गांव में कुछ गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 11 गांव की आशा ने कहा कि नियमानुसार कुछ आर्थिक प्रोत्साहन राशि मिलती है।
- सेवाएं मिल रही हैं- 36 गांव की आशा ने कहा कि तीन माह में आगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का गाइडलाइन के अनुसार आयोजन नहीं किया है। केवल टीकाकरण होता है। 27 गांव की आशा ने कहा कि कार्यों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. का सहयोग प्राप्त होता है।

आशा के प्रति महिलाओं एवं समुर्दाय की धारणा-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- महिला समुदाय ने कहा कि गर्भावस्था देखभाल और नवजात शिशु के जन्म के छह घंटे के अंदर देखभाल की सलाह आशा नहीं देती है। मामूली बीमारियां जैसे सर्दी, खांसी, दस्त के लिए दवाइयां नहीं देती है, क्योंकि उनके पास दवाइयां नहीं होती हैं। लोगों को उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी नहीं मिलती है। आशा, ए.एन.एम. तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्वास्थ्य संबंधी बातें तथा मुक्त राशि के बारे में नहीं बताती है।
- सेवाएं मिल रही हैं- गांव की महिलाओं ने कहा, आशा गर्भवती महिलाओं के साथ प्रसव के लिए अस्पताल जाती है।

बच्चे का स्वास्थ्य-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- महिलाओं ने कहा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक माह बच्चों का वनज लेने के बाद उसको कार्ड/चार्ट पर दर्ज नहीं करती है। 33 गांव की महिलाओं ने कहा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमें सूचित नहीं करती है। वनज नहीं करती है। 15 गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. पांच साल से कम उम्र के बच्चों का उपचार नहीं करती है। दोबारा देखने, घर पर देखने एवं अस्पताल से छूटने के बाद घर पर

मिलने नहीं जाती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. जन्म के समय सामान्य वजन वाले बच्चे या फिर कम वजन वाले बच्चे या दोनों ही स्थिति में घर पर मिलने नहीं आयी।

- सेवाएं मिल रही हैं- 28 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. माह में कम से कम एक बार टीकाकरण के लिए आती है। लेकिन ग्राम स्वास्थ्य दिवस का आयोजन गाइडलाइन के अनुसार नहीं करती है।

मातृ स्वास्थ्य गारंटी-

- सेवाएं नहीं मिल रही है- 12 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्सथा की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. प्रसव से पहले 4 बार बी.पी. और पेट की जांच नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. पेशाब की जांच नहीं करती है। 12 गांव की महिलाओं ने कहा, आंगनवाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिलता है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. खानपान/आराम/फिर से सेन्टर पर मिलने /गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरे के संकेत/परिवार नियोजन आदि की जानकारी नहीं देती है। सभी महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. /आशा/अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रसव के बाद प्रथम सप्ताह में तीन बार मिलने नहीं आयी।
- सेवाएं मिल रही हैं- 30 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत करती है। 25 गांव की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. आयरन की गोलियां देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. टेटनस की दो सूई देती है.सभी गांव की महिला ने कहा, ए.एन.एम. ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एफ.आर.यु./अस्पताल में प्रसव के लिए रेफर करती है। 12गांव की महिलाओं को आंगनबाड़ी से लागातार पूरक पोषण आहार नहीं मिला।

जननी सुरक्ष योजना-

- सेवाएं मिल रही हैं- 33 गांव की महिलाओं ने कहा, संस्थागत प्रसव कराया है। सात गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल गयी थी। 29 गांव की महिलाओं का कहना था कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने पर दी जाने वाली राशि 1400 रुपये मिले है।
- सेवाएं नहीं मिल रही है -12 गांव की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। 12 गांव की महिलाओं ने कहा, आशा उनके साथ अस्पताल नहीं गयी थी। सात गांव की महिलाओं ने कहा, घर में प्रसव के दौरान सफाई के पांच बिंदुओं का ध्यान नहीं रखा गया। नया ब्लेड (डिस्पोजेबल डिलिवरी किट का इस्तेमाल), पानी में उबला हुआ धागा, साबुन से धुले हाथ, साफ जमी़न जहां गर्भवती को लिटाया गया। साफ नाल (नाल पर कुछ नहीं लगाना) का ख्याल नहीं रखा।

प्रतिकूल परिणाम सेवाएं-

सेवाएं मिल रही है- सभी गांव की महिलाओं का कहना था कि उनको रेफरल परची या एंबुलेंस के बिना रेफर किया गया। 10 गांव की महिलाओं ने कहा कि सरकारी अस्पताल में कर्मचारियों का व्यवहार अपमानजनक था। 14 गांव की महिलाओं ने कहा, सेवा प्रदाता ने उनसे पैसे की मांग की।

अभिवंचित समुदाय का स्कोर देखभाल की गुणवत्ता–

- व्यवहार अच्छा है। 18 गॉव की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. का व्यवहार अच्छा है। 16 गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अच्छा है। आठ गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार ठीक ठाक था। 10 गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार ठीक ठाक था। तीन गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक था। चार गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अपमानजनक था पांच गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार भद्दा था। सेवाएं नहीं मिल रही हैं। 25 गांव की महिलाओं का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा आपातकालीन सेवाएं प्रदान नहीं की जाती हैं। पैसे की मांग की जाती है। 17 गांव की महिला कहना था कि सेवा प्रदाता बदले में पैसे की मांग करते हैं।

सब सेंटर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता–

- आठ उप स्वास्थ्य केंद्र का अपना भवन है। ए. एन.एम. नियुक्त है। दूसरी ए.एन.एम. महिला सब सेंटर पर या करीब के गांव में नहीं रहती है। एम.पी.डब्लू. की नियुक्ति नहीं है। सब सेंटर में पानी की नियमित उपलब्धता हैं। सब सेंटर में शौचालय चालू अवस्था में नहीं है। सभी सब सेंटर में नियमित बिजली की व्यवस्था नहीं है। एम.पी.डब्लू. के लिए सफाई कर्मी/सहायक की व्यवस्था नहीं है। कुछ सब सेंटर गांव से बाहर है।

उपकरण, आपूर्तियां एवं उपलब्धता–

- टेबल 1 है, कुर्सी 2 है। जांच की मेज/आइ.यू. सी.डी. मेज फोम वाले गद्दे के साथ नहीं है। प्रतिक्षा कर रहे लोगों के लिए बेंच नहीं है। बिना हाथ की कुर्सी 3 नहीं है। दवाओं का बक्सा है। प्रसव टेबल नहीं है। वयस्क के लिए वजन मशीन 125 किलो वाला है। एक का मशीन खराब है। शिशु के लिए वजन मशीन 10 किला वाला है। मग एक नहीं है। बालटी है, केरोसिन स्टोव एक चालू हालत में है। ढक्कन के साथ सॉसपैन एक नहीं है। पानी का जग एक नहीं है। कूड़े की बालटी ढक्कन के साथ एक नहीं है। रबड/प्लास्टिक सीट 2 मीटर नहीं है। डिस्पोजेबल सामान को फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोरीन के साथ नहीं है। पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ नहीं है। डिस्पोजेबल सामान को फेंकने के लिए बालटी ढक्कन के साथ नही है। एप्रन नहीं है। ब्लीचिंग पाउडर है। रुई का बंडल नही है। रजिस्टर/रिकॉर्ड है। हाथ धोने का साबुन और कपड़े साफ करने का साबुन नहीं है। तौलिया नही है। घड़ी नहीं है। लैंप नहीं है। यूरीन टेस्ट किट नहीं है। कॉपर टी नहीं है। कंडोम है। ड्रेसिंग और डिलिवरी किट नहीं है।

आइ.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची–

- बेसिन 528 एमएल स्टील एक नहीं है। गहरा बेसिन 6 लीटर की क्षमता का एक नहीं है, औजार का ट्रे ढक्कन के साथ 310, 195, 63 एम.एम एक नहीं है। बड़ा टॉर्च 4 बैटरी के साथ नहीं है। स्टील का ढक्कन ड्रेसिंग ड्रम 945 लीटर एक नहीं है। हीमोग्लोबिन मीटर एक नहीं है। टीशु फोरसिप 160 मी0 मीटर एक नहीं है। स्टरलाइजर एक है। सीघी सर्जिकल कैंची 140 मी0 मीटर एक नहीं है। सीम्स युट्रीन

डीप्रशर/प्रतिकर्शक 1 नहीं है, मेजरिंग जग एक लीटर एक नहीं है। फीगमोमेनामीटर एन्ड्रामीटर 300 मी0मीटर 1 नही है, केलिस हेमोस्टेट फोरसिप 140 मी0 मीटर 1 नही है, सीम्स यौनिक वीक्षक दो सीरो वाला दो नहीं है। यूटराइन साउंड ग्रेडयेट एक नहीं है। टीका ले जाने वाला डिब्बा 2 है। आइस पैक बॉक्स 8 है। स्पंज को पकड़नेवाला 5 नहीं है, सादी फोरसिप 10 नहीं है। सीधी सिलने वाली सूई 10 नहीं है। थोड़ी घूमी हुई सिलने वाली सूई 10 नहीं है। किडनी ट्रे 4 छोटा, 4 बड़ा नहीं है। क्लीनिकल थर्मामीटर मुंह वाला एक नहीं है। फीटोस्कोप 1 नहीं है। ड्रेसिंग फोरसिप स्टील का 160 ली 1 नहीं है। आट्री फोरसिप सीधाी स्टील का 160 ली0 1 नहीं है। गर्भनाल काटने का कैंची घुमावदार 1 नहीं है। तलक्वीस्ट एच0 वी0 स्केल 1 नही है, स्टेथेस्कोप 1 है। हब कटर है। अम्बु थैली, बेबी मास्क के साथ 1 नहीं है। ट्रेकिंग बैंक और टीकाकरण बक्सा 1 नहीं है। माप वाला टेप 1 नहीं है। आइ/वी स्टैंड नही है। स्टरलाइजर ब्वॉयलर खराब है। वी.पी. मशीन है। ग्लब्स नहीं है। आइ.यू.सी.डी. किट नहीं है।

दवाइयां-

- आर.सी.एच. किट है। आर.सी.एच. किट बी है। ओ.आर.एस. आशा के पास है। ओ.आर.एस. बच्चों वाला है आइ.एफ.ए. बड़ा है। आइ.एफ.ए. छोटा है।

सेवा की उपलब्धता-

- सब सेंटर पर ए.एन.सी. की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर प्रसव की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर एन.एन.एम. प्रसव कराने में प्रशिक्षित है। जटिल प्रसव में रेफरल स्लिप नहीं दिया जाता है। बच्चों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। ए.आर.आइ. के उपचार की सुविधा नहीं है। डायरिया के इलाज की सुविधा है। नोट- ओ. आर.एस. आशा के पास है। आर.टी.आइ. के लिए रेफरल की सुविधा है। परिवार नियोजन की गोलियां, कंडोम उपलबध है। आइ.डी.यू. लगाने की सुविधा है। कुपोषण से बचाव की जानकारी मिलती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने जाने के लिए नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने जाने के लिए हर मौसम में सड़क सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में है। एंबुलेंस कार्यशील अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अच्छी हालत में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित पानी की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित बिजली/जेनेरेटर की अपूर्ति है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय चालू अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फोन की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रयोगशाला है। सभी बिस्तर/बेड चालू हालात में है। छह बेड सीट है। पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्वार्टर नहीं है।

कर्मचारियों की आवश्यक सूची आइ.पी.एच.एस. दिशा निर्देश के अनुसार -

- मेडिकल ऑफिसर 2 रेगुलर नहीं है। फार्मासिस्ट 1 नहीं है। नर्स मिडवाइ है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला 1 नहीं है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता पुरुष 1 नहीं है। सहायक कार्यकर्ता महिला 1 नहीं है। नेत्र सहायक 1 नहीं है। कलर्क 2 है।

डेटा हैंडलर 1 है.

उपकरण एवं उपलब्धता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सामान्य है-

  ऑक्सिजन सिलिंडर है। वैक्सीन ले जाने के लिए डिब्बा दो हर सब सेंटर के लिए है। पी.एच. सी. के लिए एक डिब्बा है। बी.पी मशीन 2 है। स्टेथोस्कोप 2 है। वयस्क वजन स्केल है। बच्चों का वजन स्केल है। वाइनाकुलर माइक्रोस्कोप नहीं हैं। ऑटो क्लेव है। फ्रीज है। कोल्ड बक्सा 8, 25और 60 आइस पैक बक्से से हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। स्थिरिता के साथ आइस पैक बक्से से हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। फ्रीज टैग दो हर आइ.एल.आर. के लिए है। आइस बाक्स है। सामान्य डिलिवरी किट है। वैक्युम प्रसव के लिए औजार है। फोरिसिप प्रसव के लिए औजार नहीं है। सर्जिकल सेट इपिस्टोमीस के लिए नहीं है, एम.बी.ए. का औजार नहीं है। कूड़ा फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोराइड तथा ब्लीच के साथ है। थर्मामीटर है। कंप्यूटर, इंटरनेट की सुविधा है। आंखों की देखभाल तथा दृष्टि परीक्षण के लिए उपकरण नहीं है। बैटरी के साथ टार्च है। आवश्यक प्रयोगशाला जांच उपकरण है। आवश्यक नवजात शिशु देखभाल की सुविधा है। लंबाई मापने वाला स्केल है। नवजात शिशु के लिए टेबुल लैंप 200 वाट बल्ब के साथ है। नवजात शिशु के आकार का स्ल्प इन्फलैटीग बैग और मास्क है। लेरिनगोस्कोप तथा एंडोटेकल इंटुवेशन नहीं है। बलगम निकालने के लिए पैर से संचालित सक्शन मशीन है। बच्चे को दुध पिलाने का ट्यूब नहीं है। स्पंज को पकड़ने के लिए फोरसिप 2 है। गर्भाशय फोरसिप 2 है। टेनाकुलम गर्भाशय फोरसिप 2 है। एम.वी.ए. सीरीज और कैनुबेल 4-8 आकार का है। किडनी ट्रे एम.वी.ए. सीरीज खाली करने के लिए है। टिशु टेनर नहीं है। सूखा बैटरी 1.5 वोल्ट है। कार्टन को डुबाने के लिए एंटीसेप्टिक कटोरा है। गंदे उपकरण रखने के लिए क्लोरिन युक्त ट्रे है। पूरी तरह से चालू हालत में प्रसव के लिए औजार है।

फर्नीचर

- प्लास्टिक कुर्सी 6 इंडोर पेशेंट के लिए है। बिना हत्थे वाली कुर्सी 16 है। स्टील का अलमारी 4 है। टीकाकरण/परिवार नियोजन/परमार्श के लिए टेबल है। प्रतिक्षा कर रहे लोगों के बैठने के लिए बेंच 2 है। पहिए वाली कुर्सी 1 नहीं है। स्ट्रेचर 2 नहीं है। लोहा की स्क्रिन 1 है, पायदान 5 नहीं है। कोट रखने के लिए हैंगर 2 नहीं है। बिस्तर के बगल की मेज 6 बेड गाइड टेबुल है। 12 इंडोर पेशेंट के लिए लोहे का बिस्तर 6 है। बच्चा का पालना 2 नहीं है। स्टूल 7 है। मेडिसिन चेस्ट 1 है। लैंप 1 है। साइड लकड़ी का रैक 2 स्टील का है। पंखा 6 है। ट्यूबलाइट 8 है। बेसिन स्टैंड 2 है। बालटी 4 है। एल.पी.जी. स्टोव 1 केरोसिन स्टोव है। एलपीजी सिलिंडर 1 है। ढक्कन के साथ सॉसपैन 2 नहीं है। पानी स्टोर करने के लिए 3 रबड़/प्लास्टिक संटिग 2 मीटर है। ड्रम पानी स्टोर करने के लिए 2 है। गद्दा 12 है। फोम गद्दा ओटी के लिए 2 है। प्रसव के लिए फोम गद्दे 2 हैं। बिस्तर की चादर 15 है। तकिया खोल के साथ 15 नहीं है। कंबल 12 है। बच्चों का कंबल 4 है। तौलिया 12 है। 20 मीटर पर्दा रॉड के साथ है। कचरे का डिब्बा 5 है।

सेवा उपलब्धता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्थावां सामान्य सेवाएं

उपलब्धा हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से प्रसव पूर्व चिकित्सा आयोजित की जाती है। छोटे घावों का प्राथमिक उपचार किया जाता है। घावों एवं ोडो़ की सर्जरी की जाती है। जले हुए मरीजों का प्राथमिक उपचार नहीं किया जाता है। 24 घंटे सामान्य प्रसव सुविधाा उपलब्धा है। अनीमिया के मरीजों के खून की जांच नहीं होती है। गर्भवती महिला के पेशाब की जांच होती है। स्त्रियों के प्रजनन रोग संबंधी समस्याओं में अंदरूनी जांच की सुविधा नहीं है। स्त्री संबंधी रोग जैसे- सफेद प्रदर, मासिक धर्म विकार का उपचार नहीं होता है। एम.टी.पी. गर्भपात की सुविधा नहीं है। नवजात शिशु की देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।

अनौपचारिक खर्च-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्थावांए सुविधा सामान्य है।

  अस्पताल से नि:शुल्क दवाइयां प्राप्त नहीं है। बाहर से भी दवा खरीदने को कहा गया। बाहर से जांच के लिए कहा गया। प्राइवेट या सरकारी डाक्टर के पास जाने के लिए कहा गया। नर्स या अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा पैसे की मांग की गयी।

देखभाल की गुणवत्ता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,अस्थावां सुविधाा सामान्य है।

  डाक्टर से मिलने के लिए 2 से 3 घंटा इंतजार करना पड़ा। डाक्टर द्वारा की गयी जांच एवं चेकअप की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है। डाक्टर एवं अन्य सहायक कर्मचारियों का व्यवहार कुछ के साथ खराब था। अस्पताल को साफ-सुथरा नहीं पाया।

रोगी कल्याण समिति-

- अस्थावां रोगी कल्याण समिति कार्यरत है।

  गठन के बाद से रोगी कल्याण समिति की बैठक की गयी है। रोगी कल्याण समिति की पिछली बैठक हुई है। सेंटर पर रोगी चार्टर नहीं है। रोगी कल्याण समिति के साथ रोगी चार्टर पर चर्चा की गयी। सेंटर पर रोगियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए शिकायत पेटी की व्यवस्था है। प्रतिक्रिया एकत्र की गयी। रोगी कल्याण समिति के साथ इस पर चर्चा हुई। रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये है। रोगी कल्याण समिति से संबंधित फंड (7800 रुपये) का व्यय व रोगियों के कल्याण के लिए उठाये गये कदम। शुद्ध पानी के लिए केंट आर.ओ. लगाया गया है। मरीजों के लिए भर्ती सेंटर उपलब्ध है। मरीजों के लिए एंबुलेंस 24 घंटा उपलब्धा है। रोगियों की शिकायत निवारण के लिए उठाये गये कदम। शिकायत मिलने पर उसका निवारण किया जाता है।

विचार-

- राजेश कुमार गुप्ता (प्रखंड विकास पदाधिकारी, अस्थावां) का कहना था कि जनसंवाद में जो भी मामले उठे हैं, अगर उसी समय प्रभारी से शिकायत की जाती, तो कार्रवाई होती। कुछ दवा ऐसी भी होती है, जो उपलब्ध नहीं होती है। तब प्रभारी भी असमर्थ हो जाते हैं। थानाध्यक्ष का कहना था कि बहुत खुशी की बात है, जनसंवाद में लोगों ने खुलकर अपनी बातें रखीं। अगर इमरजेंसी में एंबुलेंस नहीं आता है, तो

मरीज हमारी गाड़ी ले सकतें हैं।

केस नंबर 1

- रेखा देवी, पति- मौली पासवान, ग्राम-अन्दी ने कहा कि प्रसव के लिए सरकारी अस्पताल अस्थावां गयी। वहां परची कटाकर अस्पताल में एडमिट हुई। लेकिन 3 घंटे रहने पर भी प्रसव नहीं हुआ। नर्स ने कहा कि अब हमसे नहीं संभलेगा। लेकिन दूसरी नर्स रेणु देवी ने कहा कि आप मेरे साथ चलिए हम इलाज करवाते है। नर्स ने निजी नर्सिंग होम में फोन करके मरीज को वहां भेज दिया। नर्सिंग होम मे 6000 रुपये फीस और दवा के 2000 रुपये लगे। यह घटना सावन-भादो 2013 का है। नर्सिंग होम में मृत बच्चा पैदा हुआ। एंबुलेंस वाले को 100 रुपये आशा ने दिलवाये।

निर्णय:- चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा, इनके साथ जो घटना हुई उसकी जानकारी हमें नहीं थी।

जन संवाद प्रतिवेदन - बिहारशरीफ सदर

स्थान:- प्रखंड परिसर मैदान

आयोजक:- सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिर्सोस मैनेजमेंट

प्रायोजक:- पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसाइटी

निर्णायक मंडल के सदस्य :-

1. वृजनंदन प्रसाद सिंह (सेवानिवृत प्रधानाध्यापक)
2. उमेश प्रसाद सिंह (सेवानिवृत आयकर निरीक्षक)
3. रामदेव प्रसाद (अधिावक्ता)

दिनांक:- 21.02.2014

सदर प्रखंड परिसर मैदान, बिहारशरीफ में 21.02.2014 को चार्म संस्था द्वारा समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य के मुद्दों पर जनसंवाद आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता वृजनंदन प्रसाद सिंह (सेवा निवृत प्रधाानाधयापक) ने की।

जनसंवाद में स्वास्थ्य प्रदाता की ओर से चिकित्सा पदाधिकारी डा मो0 जहांगीर उपस्थित थे। सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट से मो0 अरमान उर रहमान एवं जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार जनसंवाद देखने पहुंचे थे।

चार्म संस्था के नूरसराय प्रखंड समन्वयक चन्द्रउदय कुमार ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। परिवर्तन अभिकर्ता अनुजा देवी और साथियों ने स्वागत गीत गाये।

चार्म संस्था के नालंदा जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार ने जन संवाद एवं समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

राजगीर प्रखंड समन्वयक रौशन कुमार ने वार्ड रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

रोगों की निगरानी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- आठ वार्डों में जल स्त्रोतों, क्लोरिन की गोलियाँ आंत्रशोथ, पीलिया, खसरा, दस्त एवं मलेरिया के बारे में जनकारी इकट्ठा करने की सेवाएं नहीं मिल रही है। मलेरिया एवं डायरिया के प्रकोप के बारे में गर्भावास्था, जन्म व मृत्यु का पंजीकरण की सेवाएं समुदाय को नहीं मिल रही है।

देखभाल की गुणवत्ता -

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - 31वार्डों के लोगों का कहना है कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा आपातकालीन सेवाएं नहीं दी जाती है। तेरह वार्डों की महिलाओं का कहना है कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक है।
- पैसे की मांग -17 वार्डों की महिलाओं का कहना है कि सेवा के बदले में पैसे की मांग की जाती है।

बच्चे का स्वास्थ्य-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - समुदाय की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक माह बच्चों का वजन लेने के बाद उसको कार्ड/चार्ट पर दर्ज नहीं करती है। 14वार्डों की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमें सूचित नहीं करती है,वजन नही करती है। 11वार्डों की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. पांच साल से कम उम्र के बच्चों का उपचार नहीं करती है। दोबारा देखने के लिए नहीं बुलाती है। घर पर देखने नहीं आती है।

अस्पताल से छूटने के बाद घर पर मिलने नहीं जाती है। सभी वार्डों की महिलओं ने कहा कि एएनएम जन्म के समय सामान्य वजन वाले बच्चे या फिर कम वजन वाले बच्चे अथवा दोनों ही स्थिति में घर पर मिलने नहीं आयी।

- सेवाएं मिल रही है-16 वार्डों की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. माह में कम-से-कम एक बार टीकाकरण के लिए तो आती है, लेकिन ग्राम स्वास्थ्य दिवस का आयोजन गाइड लाइन के अनुसार नहीं करती है।

मातृ स्वास्थ्य गारंटी-

- सेवाएं नहीं मिल रही है -37 वार्डों की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. प्रसव से पहले चार बार बी.पी और पेट की जाँच नहीं करती है। सभी महिलओं ने कहा कि ए.एन.एम. पेशाब की जाँच नहीं करती है। दस वार्डों की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिलता है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए. एन.एम. इन विषयों जैसे खानपान/आराम/फिर से सेंटर पर मिलने/गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरे के संकेत/परिवार नियोजन आदि पर सलाह नहीं देती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन. एम./कोई अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रसव के बाद प्रथम सप्ताह में तीन बार मिलने नहीं आयी।
- सेवाएं मिल रही है - 17 वार्डों की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत करती है। तेरह वार्डों की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. आयरन की गोलियां देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. टेटनस की दो सूई देती है। सभी वार्डों की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एफआरयु/अस्पताल में प्रसव के लिए रेफर करती है। आठ गांव की महिलाओं को आंगनबाड़ी से लागातार पूरक पोषण आहार नहीं मिला।

जननी सुरक्षा योजना :

- सेवाएं मिल रही हैं -19 वार्डों की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव कराया है। 21वार्डों की महिलाओं का कहना था कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने पर दी जाने वाली राशि में से एक हजार रुपये मिले।
- सेवाएं नहीं मिल रही है - 9 वार्डों की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। सात गांव की महिलाओं ने कहा कि घर में प्रसव के दौरान स्फाई के पांच बिंदुओं जैसे नया ब्लेड (डिस्पोजवल डिलेवरी किट का इस्तेमाल) पानी में उबला हुआ धागा, साबुन से धुले हाथ, साफ जमी़न जहाँ गर्भवती को लिटाया गया, साफ नाल (नाल पर कुछ नहीं लगाना) पर ध्यान नहीं दिया गया।

प्रतिकुल परिणाम सेवाएं :

- सेवाएं मिल रही हैं - सभी महिलाओं ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में सेवा प्रदाता द्वारा उपचार करने से मना नहीं किया गया। सभी महिलाओं ने कहा कि उनको रेफरल परची या एंबुलेंस के बिना रेफर किया गया। 11वार्डों की महिलाओं ने कहा कि सेवा प्रदाता ने पैसे की मांग की।

अभिवंचित समुदाय का स्कोर देखभाल की गुणवत्ता-

- व्यवहार अच्छा है-15 वार्डों की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. का व्यवहार अच्छा है।10 वार्डों में महिलाओं का कहना था कि नर्स का

व्यवहार अच्छा है। 14 वार्डों में महिलाओं का कहना था कि डॉक्टर का व्यवहार ठीक-ठाक है। पांच वार्डों की महिलाओं का कहना था कि डॉक्टर का व्यवहार अपमानजनक है। आठ वार्डों की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अपमानजनक है। आठ वार्डों की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार भद्दा है। सेवाएं नहीं मिल रही है-20 वार्डों की महिलाओं का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा आपातकालिन सेवाएं प्रदान नहीं की जाती है। पैसे की मांग की जाती है। 11 वार्डों की महिलाओं कहना था कि सेवा प्रदाता लोगों से बदले में पैसे की मांग करते है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने-जाने के लिए नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन सुविधाा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आने-जाने के लिए हर मौसम में सड़क सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में है। एंबलुंस कार्यशील अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अच्छी हालत में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित पानी की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केद्र नियमित बिजली/जेनेरेटर की आपूर्ति है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय चालू अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फोन की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रयोगशाला है। सभी बिस्तर/बेड चालू हालत में है। छह बेड सीट नहीं है। पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्वार्टर नहीं है।

कर्मचारियों की आवश्यक सूची आइ.पी.एच.एस. दिशा निर्देश के अनुसार -

- दो मेडिकल ऑफिसर रेगुलर है। एक फार्मासिस्ट है। नर्स मिडवाइ है। एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता है। पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं है। सहायक कार्यकर्ता महिला नहीं है। नेत्र सहायक नहीं है। कलर्क दो है। डेटा हैंडलर एक है।

उपकरण एवं उपलब्धता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सामान्य है

ऑक्सीजन सिलिंडर है। वैक्सीन ले जाने के लिए दो डिब्बा हर सब सेंटर के लिए और एक डिब्बा पी.एच.सी. के लिए है। दो बी.पी मशीन है। दो स्टैथोस्कोप है। वयस्क वजन स्केल है। बच्चों का वजन स्केल है। वाइनाकुलर माइक्रोस्कोप है। आटो क्लेव है। फ्रीज है। कोल्ड बक्सा (8,25और 60 आइस पैक) हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। दो फ्रीज टैग हर आइ.एल.आर. के लिए है। आइस बाक्स है। सामान्य डिलिवरी कीट है। वैक्युम प्रसव के लिए औजार है। फोरिसिप प्रसव के लिए औजार है। सर्जिकल सेट एपिस्टोमीस के लिए है। एम.वी.ए. का औजार है। कूड़ा फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोराइड तथा ब्लीच के साथ है। थर्मामीटर है। कंप्यूटर, इंटरनेट की सुविधा है। आंखों की देखभाल तथा दृष्टि परीक्षण के लिए उपकरण है। बैटरी के साथ टार्च है। आवश्यक प्रयोगशाला जांच उपकरण है। आवश्यक नवजात शिशु देखभाल की सुविधाा है। लंबाई मापने वाला स्केल है। नवजात शिशु के लिए टेबल लैंप 200 वाट बल्ब है। नवजात शिशु के आकार का स्ल्प इन्फलैटीग बैग और मास्क है। लेरिनगोस्कोप तथा एन्डोटेकल इंटुवेशन है। बलगम निकालने के लिए पैर से संचालित सक्सन मशीन है। बच्चे को दूध पिलाने की ट्युब है। स्पंज को पकड़ने के लिए फोरसिप 2 है। गर्भाशय फोरसिप 2 है। टेनाकुलम गर्भाशय फोरसिप 2 है। एम.वी.ए. सीरिज और

कैनुबेल 4–8 आकार का है। किडनी ट्रे एम.वी.ए. सीरिज खाली करने के लिए है। टिशु टेनर है.सूखा बैटरी 1.5 वोल्ट है. कार्टन को डुबाने के लिए एंटीसेप्टिक कटोरा है। गंदे उपकरण रखने के लिए क्लोरिनयुक्त ट्रे है। पूरी तरह से चालू हाल में प्रसव के लिए औजार है।

फर्नीचर

- इंडोर पेशेंट के लिए छह प्लास्टिक कुर्सी है। बिना हत्थे वाली कुर्सी 16 है.स्टील का अलमारी 4 है। टीकाकरण/परिवार नियोजन/परमार्श के लिए टेबल है। प्रतिक्षारत लोगों के बैठने के लिए बेंच 2 है। पहिए वाली कुर्सी 1 है। स्ट्रेचर 2 है। लोहे की स्क्रिन 1 है। पायदान 5 है। कोट रखने के लिए 2 हैंगर है। बिस्तर के बगल की मेज है। छह बेड गाइड टेबल है। 12 इंडोरपेशेंट के लिए लोहे का बिस्तर 6 है.बच्चे का पालना 2 है। स्टूल 7 है। मेडिसिन चेस्ट 1 है। लैंप 1है। साइड लकड़ी का रैक 2 है। पंखा 6 है। ट्युबलाइट 8 है। बेसिन स्टैंड 2 है। बालटी 4 है। एक एलपीजी स्टोव और एक किरोसिन स्टोव है। एलपीजी सिलिंडर 1है। ढक्कन के साथ सॉसपैन 2 है। पानी स्टोर करने के लिए 3 रबड़/प्लास्टिक संटिग 2 मीटर है। ड्रम पानी स्टोर करने के लिए 2 है।गद्दा 12 है। फोम गद्दा ओटी के लिए 2 है। प्रसव के लिए फोम गद्दे 2 है। बिस्तर की चादर 15 है। तकिया खोल के साथ 15 है। कंबल 12 है। बच्चो का कंबल 4 है। तौलिया 12 है। 20मीटर पर्दा रॉड के साथ है। कचरे का डिब्बा 5 है।

सेवा उपलब्धता

- प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिहारशरीफ सदर, समान सेवाएं उपलब्ध है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से प्रसव पूर्व चिकित्सा होती है। छोटे घावों का प्राथमिक उपचार किया जाता है। घावों एवं फोड़ो की सूक्ष्म सर्जरी की जाती है। जले हुए मरीजों का प्राथमिक उपचार नहीं किया जाता है। 24 घंटे सामान्य प्रसव सुविधा उपलब्ध है अनीमिया के मरीजों के खून की जांच नहीं होती है। गर्भवती महिला के पेशाब की जांच होती है। स्त्रियों के प्रजनन रोग संबंधी समस्यायों में अंदरूनी जांच की सुविधाा नहीं है। स्त्री संबंधी रोग जैसे–सफेद प्रदर, मासिक धर्म विकार का उपचार नहीं होता है। एम.टी.पी. गर्भपात की सुविधा नहीं है। नवजात शिशु की देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।

अनौपचारिक खर्च–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारशरीफ सदर सुविधा समान है। अस्पताल से निशुल्क दवाईयाँ उपलब्ध नहीं है। बाहर से दवा खरीदने और जाँच कराने के लिए कहा गया। प्राइवेट या सरकारी डाक्टर के पास जाने के लिए कहा गया। नर्स या अन्य स्वास्थ्यकर्ता ने पैसे की मांग की।

देखभाल की गुणवत्ता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बहारशरीफ सदर, सुविधा समान है।
- डाक्टर से मिलने के लिए दो से ती घंटा इंतजार करना पड़ा। डाक्टर द्वारा की गयी जाँच एवं चेक अप की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है। डाक्टर व अन्य सहायक कर्मचारियों का व्यवहार कुछ के साथ खराब था। अस्पताल को साफ–सुथरा नहीं पाया।

रोगी कल्याण समिति–

- राजगीर रोगी कल्याण समिति कार्यरत है।
- गठन के बाद से रोगी कल्याण समिति की बैठकें हुई हैं। पिछली बैठक हुई है। सेंटर पर रोगी चार्टर

नहीं है। रोगी कल्याण समिति के साथ रोगी चार्टर पर रोगियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए शिकायत पेटी की व्यवस्था है। प्रतिक्रिया एकत्र की गयी। तथा रोगी कल्याण समिति के साथ इस पर चर्चा हुई। रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये है। रोगी कल्याण समिति से संबंधित फंड (7800 रुपये) का व्यय और रोगियों के कल्याण के लिए उठाये गये कदम। शुद्ध पानी के लिए कैंट आरओ लगाया गया है। मरीजों के लिए भर्ती सेंटर उपलब्धा है। मरीजों के लिए एंबुलेंस 24 घंटा उपलब्धा है। रोगियों की शिकायत निवारण के लिए उठाये गये कदम। शिकायत मिलने पर हमेशा उसका निवारण किया जाता है।

विचार-

- वृजनंदन प्रसाद सिंह (सेवानिवृत प्रधानाधयापक) ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम, बिहार सहयोग पैक्स एवं चार्म संस्थान का धन्यवाद करते हुए कहा कि जनसंवाद में जो मामले उठे हैं, उन्हें गंभीरता से लिया जाय। लोगों समस्या का निबटारा हो सके, इस दिशा में प्रयास होने चाहिए. इसके लिए सरकारी अस्पताल के पदाधिकारीयों को विशेष ध्यान देना होगा। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो।

केस नंबर-1

- निरू देवी ने बताया कि सरकारी अस्पताल बिहारशरीफ सदर में प्रसव के लिए गयी थी। प्रसव तो हो गया, लेकिन सेवा के बदले 500 रुपये मांगे गये। निरू सिंगारहाट मोहल्ले की निवासी है। उने पति का नाम अमरजित पासवान है। उन्होंने बताया, मेरे पास पैसे नहीं थे, तो दूसरे से मांगकर दिया। बहुत रक्तस्त्राव हो रहा था। जब शिकायत की तो बोली दवा नहीं है, बाहर से ले लो। करीब छह हजार रुपये की दवा बाहर से दवा लेनी पड़ी।

निर्णय:- डाक्टर साहब ने कहा कि हम आपकी शिकायत से सहमत है। गलती हुई है। इसके लिए एकजुट होकर आवाजउठाएं। बदलाव जरूर आयेगा।

जन संवाद प्रतिवेदन - हिलसा

स्थान:- हिलसा परिसर

आयोजक:-सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रायोजक:- पुअरेस्ट एरिया सिविल सोसायटी

निर्णायक मंडल के सदस्य के नाम :-

1. सियाशरण पासवान (सेवा निवृत शिक्षक)
2. रामशरण सिंह (सेवानिवृत पुलिस अधिकारी)

दिनांक:- 24.02.2014

हिलसा प्रखंड परिसदन, हिलसा में समुदाय आधारित नियोजन एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य के मुद्दों पर चार्म संस्था द्वारा जनसंवाद आयोजित किया गया, जिसकी अधयक्षता सियाशरण पासवान (सेवानिवृत शिक्षक) ने की।

जनसंवाद में स्वास्थ्य प्रदाता की तरु से डा अनुज कुमार उपस्थित थे। रामशरण सिंह (सेवानिवृत पुलिस अधीकारी) व सेंटर फॉर हेल्थ एंड रिसोर्स मैनेजमेंट से जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार मौजूद थे। चार्म संस्था के नूरसराय प्रखंड समन्वयक चन्द्रउदय कुमार ने लोगों का स्वागत किया। परिवर्तन अभिकर्ता अनुजा देवी और विभा देवी ने स्वागत गीत गाये।

चार्म संस्था के नालंदा जिला समन्वयक ओम प्रकाश कुमार ने जनसंवाद एवं समुदाय आधारित नियोजन वअनुश्रवण कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। हिलसा प्रखंड समन्वयक मनीष कुमार ग्राम रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

रोगों की निगरानी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- आठ गांवों में जलस्त्रोतों, क्लोरिन की गोलियां आंत्रशोथ, पीलिया, खसरा, दस्त एवं मलेरिया के बारे में जानकारी इक्टठा करने की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। मलेरिया एवं डायरिया के प्रकोप के बारे में सूचना नहीं मिलती है। गर्भावास्था, जन्म व मृत्यु पंजीकरण की सेवाएं नहीं मिल रही हैं।

बाहरी कार्यकर्ताओं द्वारा उपचार योग्य सेवाएं-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- स्वास्थ्य केंद्र पर रेफरल सेवाएं नहीं मिल रही हैं। 12 गांव में बुखार, खासी या दस्त की दवा नहीं मिलती है। दुर्घटना/अप्रत्याशित घटना (एक्सिडेंट) की स्थिति व मलेरिया पॉजीटिव के लिए गांव में प्राथमिक चिकित्सा/उपचार नहीं प्राप्त होती है।
- सेवाएं मिल रही हैं- 45 गांव में स्वास्थ्य व पोषण दिवस गाइडलाइन के अनुसार आयोजित नहीं होता है। केवल टीकाकरण होता है। टीबी की दवा मिल रही है।

मुक्त राशि-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- गांव में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति को मुक्त राशि की कोई जानकारी नहीं हैं। मुक्त राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाने के लिए परिवहन सेवा नहीं मिल रही है। ए.एन.एम./आशा कोई दवा व स्वच्छता सामाग्री नही खरीदती है। किसी गांव में तीन माह में ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति द्वारा जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया है।

देखभाल की गुणवत्ता-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- 25 गांव के लोगों का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा तुरंत आपातकालीन सेवाएं नहीं दी जाती हैं। 18 गांव की महिलाओं का कहना था कि डाक्टर का व्यवहार अपमानजनक था।
- पैसे की मांग-16 गांव की महिलाओं का कहना था कि सेवा के बदले में पैसे की मांग की जाती है।

आशा कार्यकर्ता की भूमिका एवं जिम्मेदारी-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं - 8 गांव की आशा ने कहा नियमानुसार प्रोत्साहन राशि नहीं मिलती है। 28 गांव की आशा ने कहा कि पिछले तीन माह में ए.एन.एम. या अन्य संदर्भित व्यक्ति ने रिफेशर प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया है। पिछले तीन माह में किसी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एस.डी.एच. (अनुमंडलीय स्वास्थ्य केंद्र)में रेफर नहीं किया है।
- आंशिक सेवाएं मिल रही हैं- 36 गांव की आशा ने कहा उसने गांव में गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 14 गांव की आशा ने कहा कि उसने गांव में कुछ गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव करवाने की सलाह दी। 09 गांव की आशा ने कहा कि नियमानुसार कुछ प्रोत्साहन राशि प्राप्त होती है।
- सेवाएं मिल रही हैं- 36 गांव की आशा ने कहा कि तीन माह में आगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का गाइडलाइन के अनुसार आयोजन नहीं किया है। केवल टीकाकरण होता है। 22 गांव की आशा ने कहा, कार्यों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. का सहयोग प्राप्त होता है।

आशा के प्रति महिलाओं एवं समुदाय की धारणा-

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं- महिलाओं ने कहा कि गर्भावस्था देखभाल और नवजात शिशु के जन्म के छह घंटे के अंदर देखभाल की सलाह आशा नहीं देती है। मामूली बीमारियां जैसे सर्दी, खांसी, दस्त के लिए दवाइयां नहीं देती है, क्योंकि उनके पास दवाइयां नहीं होती है। लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आशा, ए.एन.एम. व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर नहीं देती हैं। मुक्त राशि के बारे में नहीं बताती है।
- सेवाएं मिल रही हैं- गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा गर्भवती महिलाओं के साथ प्रसव के लिए अस्पताल जाती है।

बच्चे का स्वास्थ्य-

- सेवाएं नहीं मिल रही है- महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक माह बच्चों का वजन लेने के बाद उसको कार्ड/चार्ट पर दर्ज नहीं करती है। 36 गांव की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमें सूचित नहीं करती है। वनज नहीं करती है। 18 गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. पांच साल से कम उम्र के बच्चों का उपचार नहीं करती है। दोबारा देखने के लिए नहीं बुलाती है। अस्पताल से छूटने के बाद घर पर मिलने नहीं जाती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. जन्म के समय सामान्य वजन वाले बच्चे या फिर कम वजन वाले बच्चे या दोनों ही स्थिति में घर पर मिलने नहीं आयी।
- सेवाएं मिल रही हैं- 25 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. माह में कम से कम एक बार टीकाकरण के लिए आती है। लेकिन ग्राम स्वास्थ्य दिवस का आयोजन गाइडलाइन के अनुसार नहीं करती है।

मातृ स्वास्थ्य गारंटी–

- सेवाएं नहीं मिल रही हैं–16 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत नहीं करती है। सभी महिलाओं ने कहा, ए.एन.एम. ने प्रसव से पहले चार बार बी.पी और पेट की जांच नहीं करती हैं। सभी महिलओं ने कहा कि ए.एन.एम. पेशाब की जांच नहीं करती है। 15 गांव की महिलाओं ने कहा कि आंगनवाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिलता है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. खानपान /आराम/फिर से सेंटर पर मिलने /गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरे के संकेत/परिवार नियोजन की जानकारी नहीं देती है। सभी महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम./आशा/ अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रसव के बाद प्रथम सप्ताह में तीन बार मिलने नहीं आयी।
- सेवाएं मिल रही हैं– 36 गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. गर्भावस्था की पुष्टि के बाद नाम पंजीकृत करती है। 25 गांव की महिलाओं का कहना था कि ए.एन.एम. आयरन की गोलियां देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा ए.एन.एम. टेटनस की दो सूई देती है। सभी गांव की महिलाओं ने कहा कि ए.एन.एम. ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/एफआरयु/अस्पताल में प्रसव के लिए रफेर करती है। 12 गांव की महिलाओं को आंगनबाड़ी से लगातार पूरक पोषक आहार नहीं मिला।

जननी सुरक्षा योजना–

- सेवाएं मिल रही हैं– 32 गांव की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव कराया है। 9 गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल गयी थी। 25 गांव की महिलाओं का कहना था कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कराने पर मिलनेवाली राशि 1400 रुपये मिलते हैं।
- सेवाएं नहीं मिल रही हैं–14गांव की महिलाओं ने कहा कि संस्थागत प्रसव नहीं कराया है। 13 गांव की महिलाओं ने कहा कि आशा उनके साथ अस्पताल नहीं गयी थी। 8 गांव की महिलाओं ने कहा कि घर में प्रसव के दौरान सफाई के पांच बिंदुओं का ध्यान नहीं रखा गया। मसलन, नया ब्लेड (डिस्पोजेबल डिलिवरी किट का इस्तेमाल) पानी में उबला हुआ धागा, साबुन से धुले हाथ, साफ जमी़न जहां गर्भवती को लिटाया गया। साफ नाल (नाल पर कुछ नहीं लगाना) का ख्याल नहीं रखा गया।

प्रतिकूल परिणाम सेवाएं–

- सेवाएं मिल रही हैं – सभी गांव की महिलाओं का कहना था कि उनको रेफरल परची या एंबुलेंस के बिना रेफर किया गया। 12 गांव की महिलाओं ने कहा कि सरकारी अस्पताल में कर्मचारियों का व्यवहार अपमानजनक था। 13 गांव की महिलाओं ने कहा कि सेवा प्रदाता ने पैसे की मांग की।

अभिवंचित समुदाय का स्कोर देखभाल की गुणवत्ता–

- सोलह गांव की महिलाओं का कहना था कि एएनएम का व्यवहार अच्छा था। 14 गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अच्छा था। आठ गांव की महिलाओं का कहना था कि डॉक्टर का व्यवहार ठीक ठाक था। 15 गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार ठीक ठाक था। चार गांव की महिलाओं का कहना था कि डॉक्टर का व्यवहार अपमानजनक था। छह गांव की महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार अपमानजनक था। पांच गांव की

महिलाओं का कहना था कि नर्स का व्यवहार भद्दा था। सेवाएं नहीं मिल रही हैं– 27 गांव की महिलाओं का कहना था कि पी.एच.सी. पर सेवा प्रदाता द्वारा आपातकालीन सेवाएं नहीं दी जाती हैं। पैसे की मांग की जाती है। 13 गांव की महिलाओं कहना था कि सेवा प्रदाता बदले में पैसे की मांग करते हैं।

सब सेंटर की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता–

- 8 उप स्वास्थ्य केंद्र का अपना भवन है। ए.एन.एम. नियुक्त है। दूसरी ए.एन.एम. महिला सब सेंटर पर या करीब के गांव में नहीं रहती है। एम.पी.डब्लू. की नियुक्ति नहीं है। सब सेंटर में पानी की नियमित उपलब्धता हैं।सब सेंटर में शौचालय चालू अवस्था में नहीं है। सब सेंटर में नियमित बिजली की आपूर्ति नहीं है। एम.पी.डब्लू. के लिए सफाईकर्मी/सहायक की व्यवस्था नहीं है। कुछ सब सेंटर गांव से बाहर हैं।

उपकरण, आपूर्तियां एवं उपलब्धता–

- टेबुल 1 है, कुर्सी 2 है। जांच की मेज/आइयूसीडी मेज फोमवाले गद्दे के साथ नहीं है। प्रतिक्षा कर रहे लोगों बैठने के लिए बेंच नहीं है। बिना हाथ की कुर्सी 3 नहीं है। दवाओं का बक्सा है। प्रसव टेबल नहीं है। वयस्क के लिए वजन मशीन 125 किलो वाला नहीं है। एक का मशीन खराब है। शिशु के लिए वजन मशीन 10 किलो वाला हैं। मग एक नहीं है। बालटी है। केरोसिन स्टोव 1 चालू हालत में है। ढक्कन के साथ सॉसपैन 1 नहीं है। पानी का जग 1 नहीं है। कूड़े की बालटी ढक्कन के साथ नहीं है। रबड़/प्लास्टिक सीट 2 मीटर नहीं है। डिस्पोजेबल सामान को फेंकने के लिए बालटी हाइपोक्लोरिन के साथ नहीं है। पानी स्टोर करने के लिए ड्रम नल के साथ नहीं है। डिस्पोजेबल सामान को फेंकने के लिए बालटी ढक्कन के साथ नहीं है। एप्रन नहीं है। ब्लीचिंग पाउडर है। रुई का बंडल नहीं है। रजिस्टर/रिकॉर्ड है। हाथ धोने का साबुन और कपड़े साफ करने का साबुन नहीं है। तौलिया नहीं है। घड़ी नहीं है। लैंप नहीं है। युरिन टेस्ट किट नहीं है। कॉपर टी नहीं है। कंडोम है। ड्रेसिंग व डिलिवरी किट नहीं है।

आइ.पी.एच.एस. मानक के आधार पर आवश्यक औजार की सूची–

- बेसिन 528 एमएल स्टील एक नहीं है। गहरा बेसिन 6 लीटर की क्षमता वाला एक नहीं है। औजार का ट्रे ढक्कन के साथ 310, 195, 63 एम. एम एक नहीं है। बड़ा टॉर्च चार बैटरी के साथ नहीं है। स्टील का ढक्कन के साथ ड्रेसिंग ड्रम 945 लीटर एक नहीं है। हीमोग्लोबिन मीटर एक नहीं है। टीशु फोरसिप 160 मी मीटर एक नहीं है। स्टरलाइजर एक है। सीघी सर्जिकल कैंची 140 मी मीटर एक नहीं है। सीम्स युट्रीन डीप्रज़र/प्रतिकर्ज़क 1 नही है, मेजरिंग जग एक लीटर एक नहीं है। फीगमोमेनामीटर एन्ड्रामीटर 300 मी0मीटर 1 नही है, केलिस हेमोस्टेट फोरसिप 140 मी मीटर एक नहीं है। सीम्स यौनिक वीक्षक दो। सीरोंवाला दो नहीं है। यूटराइन साउंड ग्रेडयेट एक नहीं है। टीका ले जाने वाला डिब्बा 2 है। आइस पैक बॉक्स 8 है स्पंज को पकड़नेवाला 5 नही है। सादी फोरसीप 10 नही है। सीधी सिलने वाली सूई 10 नही है। थोड़ी घूमी हुई सिलने वाली सूई 10 नहीं है। किडनी ट्रे 4 छोटा 4 बड़ा नही है, क्लीनिकल थर्मामीटर मुंह वाला 1 नहीं है। फीटोस्कोप 1 नहीं है। ड्रेसिंग ोरसिप स्टील का 160 ली 1 नहीं है। आट्री फोरसीप सीधाी स्टील का 160 ली0 1 नहीं है। गर्भनाल काटने का घुमावदार कैंची एक नहीं है। तलक्वीस्ट एच0वी0

स्केल 1 नही है। स्टेथेस्कोप एक है.हब कटर है। अम्बु थैली, बेबी मास्क के साथ एक नहीं है। ट्रेकिंग बैंक और टीकाकरण बक्सा एक नहीं है। मापने वाला टेप एक नही है। आइ/वी स्टैंड नही है। स्टरलाइजर ब्वॉयलर खराब है। बी.पी. मशीन है। ग्लब्स नहीं है। आइ.यू.सी.डी. किट नहीं है।

दवाइयां–

- आर.सी.एच. किट है। आर.सी.एच. कीट बी है। ओ.आर.एस. आशा के पास है। ओ.आर.एस. बच्चों वाला है। आइ.एफए बड़ा है। आइ.एफ.ए. छोटा है।

सेवा की उपलब्धता–

- सब सेंटर पर ए.एन.सी. की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर प्रसव की सेवा उपलब्ध है। सब सेंटर पर एन.एन.एम. प्रसव कराने में प्रशिक्षित है। जटिल प्रसव में रेफरल स्लिप नहीं दिया जाता है। बच्चों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। ए.आर.आइ. के उपचार की सुवधिा नहीं है। डायरिया के इलाज की सुविधाा है। नोट– ओ.आर.एस. आशा के पास है। आर.टी.आइ. के लिए रेफरल की सुविधा है। परिवार नियोजन की गोलियां, कंडोम उपलबध है। आइ.डी.यू. लगाने की सुविधा है। कुपोषण से बचाव की जानकारी दी जाती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संरचना और कर्मियों की उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आनेजाने के लिए नियमित रूप से सार्वजनिक परिवहन सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक आनेजाने के लिए हर मौसम में सड़क सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरकारी भवन में है। एंबुलेंस कार्यशील अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अच्छी हालत में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नियमित पानी की सुविधाा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित बिजली/जेनरेटर की आपूर्ति है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शौचालय चालू अवस्था में है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फोन की सुविधा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रयोगशाला है। सभी बिस्तर/बेड चालू हालत में है। छह बेडसीट है। पैरामेडिकल स्टाफ के लिए क्वार्टर नहीं है।

कर्मचारियों की आवश्यक सूची आइ.पी.एच.एस. दिशा निर्देश के अनुसार –

- मेडिकल ऑफिसर 2 रेगुलर नहीं है। फार्मासिस्ट 1 नहीं है। नर्स मिडवाइ्र है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला 1 नहीं है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता पुरुष 1 नहीं है। सहायक कार्यकर्ता महिला 1 नहीं है। नेत्र सहायक 1 नहीं है। कलर्क 2 है। डेटा हैंडलर 1 है।

उपकरण एवं उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सामान्य है–

  ऑक्सिजन सिलिंडर है। वैक्सीन ले जाने के लिए दो डिब्बा हर सब सेंटर के लिए है। पी.एच.सी. के लिए एक डिब्बा है। बी.पी मशीन 2 है। स्टेथोस्कोप 2 है। वयस्क वजन स्केल है। बच्चों का वजन स्केल है। वाइनाकुलर माइक्रोस्कोप नहीं हैं। ऑटो क्लेब है। फ्रीज है। कोल्ड बक्सा 8, 25 और 60 आइस पैक बक्से के साथ हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। स्थिरिता के साथ आइस पैक बक्से से हर वैक्सीन कैरियर के साथ है। फ्रीज टैग दो हर आइ. एल.आर. के लिए है। आइस बाक्स है। सामान्य डिलिवरी किट है। वैक्युम प्रसव के लिए औजार है। फोरसिप प्रसव के लिए औजार नहीं है। सर्जिकल सेट इपिस्टोमीस के लिए नहीं है। एम.बी. ए. का औजार नहीं है। कूड़ा फेंकने के लिए

बालटी हाइपोक्लोराइड तथा ब्लीच के साथ है। थर्मामीटर है। कंप्यूटर, इंटरनेट की सुविधा है। आंखों की देखभाल तथा दृष्टि परीक्षण के लिए उपकरण नहीं है। बैटरी के साथ टार्च है। आवश्यक प्रयोगशाला जांच उपकरण है। आवश्यक नवजात शिशु देखभाल की सुविधा है। लंबाई मापने वाला स्केल है। नवजात शिशु के लिए टेबल लैंप 200 वाट बल्ब के साथ है। नवजात शिशु के आकार का स्लिप इन्फलैटीग बैग और मास्क है। लेरिनगोस्कोप तथा एन्डोटेकल इंटुवेज़न नहीं है। बलगम निकालने के लिए पैर से संचालित सक्शन मशीन है। बच्चे को दुध पिलाने का ट्युब नहीं है। स्पंज को पकड़ने के लिए फोरसिप 2 है। गर्भाशय फोरसिप 2 है। टेनाकुलम गर्भाशय फोरसिप 2 है। एम.वी.ए. सीरीज और कैनुबेल 4–8 आकार का है। किडनी ट्रे एम.वी.ए. सीरीज खाली करने के लिए है। टिशु टेनर नहीं है। सूखा बैटरी 1.5 वोल्ट है। कार्टन को डुबाने के लिए एंटीसेप्टिक कटोरा है। गंदे उपकरण रखने के लिए क्लोरिनयुक्त ट्रे है। पूरी तरह से चालू हालत में प्रसव के लिए औजार है।

फर्नीचर

- प्लास्टिक कुर्सी 6 इंडोर पेशेंट के लिए है। बिना हत्थे वाली कुर्सी 16 है। स्टील का अलमारी 4 है। टीकाकरण/परिवार नियोजन/परमार्श के लिए टेबल है। प्रतिक्षा करनेवालों के लिए बेंच 2 है। पहिए वाली कुर्सी 1नहीं है। स्ट्रेचर 2 नहीं है। लोहा की स्क्रिन 1 है। पायदान 5 नहीं है। कोर्ट रखने के लिए हैंगर 2 नहीं है। बिस्तर के बगल की मेज 6 बेड गाइड टेबल है। 12 इंडोर पेशेंट के लिए लोहे का बिस्तर 6 है। बच्चे का पालना 2 नहीं है। स्टूल 7 है। मेडिसिन चेस्ट 1 है। लैंप 1 है। साइड लकड़ी का रैक 2 है। पंखा 6 है। ट्यूबलाइट 8 है। बेसिन स्टैंड 2 है। बालटी 4 है। एल.पी.जी. स्टोव 1 केरोसिन स्टोव है। एल.पी.जी. सिलिंडर 1 है। ढक्कन के साथ सॉसपैन 2 नहीं है। पानी स्टोर करने के लिए 3 रबड़/प्लास्टिक संटिग 2 मीटर है। ड्रम पानी स्टोर करने के लिए 2 है। गद्दा 12 है। फोम गद्दा ओटी के लिए 2 है। प्रसव के लिए फोम गद्दे 2 हैं। बिस्तर की चादर 15 है। तकिया खोल के साथ 15 नहीं है। कंबल 12 है। बच्चो का कंबल 4 है। तौलिया 12 है। 20 मीटर पर्दा रॉड के साथ है। कचरे का डिब्बा 5 है।

सेवा उपलब्धता–

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हिलसा समान सेवाएं उपलब्ध हैं।

  प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से प्रसव पूर्व चिकित्सा आयोजित की जाती है। छोटे घावों का प्राथमिक उपचार किया जाता है। घावों एवं फोडो़ की सर्जरी की जाती है। जले हुए मरीजों का प्राथमिक उपचार नहीं किया जाता है। 24 घंटे सामान्य प्रसव सुविधा उपलब्ध है। अनीमिया के मरीजों के खून की जांच नहीं होती है। गर्भवती महिला के पेशाब की जांच होती है। स्त्रियों के प्रजनन रोग संबंधी समस्यायों की अंदरूनी जांच की सुविधा नहीं है। स्त्री संबंधी रोग जैसे–सफेद प्रदर, मासिक धर्म विकार का उपचार नहीं होता है। एम.टी.पी. गर्भपात की सुविधा नहीं है। नवजात शिशु की देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।

अनौपचारिक खर्च–

- प्राथमिक स्वा0 केन्द्र, हिलसा सुविधा समान है.
- अस्पताल से नि:शुल्क दवाइयां नहीं मिलती है। बाहर से भी दवा खरीदने को कहा गया। बाहर से

जांच के लिए कहा गया। प्राइवेट या सरकारी डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा गया। नर्स या अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा पैसे की मांग की गयी।

देखभाल की गुणवत्ता-

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हिलसा सुविधा समान है
- डाक्टर से मिलने के लिए 2 से 3 घंटा इंतजार करना पड़ा। डाक्टर द्वारा की गयी जांच एवं चेकअप की प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं है। डाक्टर एवं अन्य सहायक कर्मचारियों का व्यवहार कुछ के साथ खराब था। अस्पताल को साफ-सुथरा नहीं पाया।

रोगी कल्याण समिति-

- हिलसा रोगी कल्याण समिति कार्यरत है

  गठन के बाद से रोगी कल्याण समिति की बैठकें हुई है। रोगी कल्याण समिति की पिछली बैठक हुई है। सेंटर पर रोगी चार्टर नहीं है। रोगी कल्याण समिति के साथ रोगी चार्टर पर चर्चा की गयी। सेंटर पर रोगियों की प्रतिक्रिया जानने के लिए शिकायत पेटी की व्यवस्था है। प्रतिक्रिया एकत्र की गयी। रोगी कल्याण समिति के साथ इस पर चर्चा हुई। रोगी कल्याण समिति ने अस्पताल के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये है। रोगी कल्याण समिति से संबंधित फंड (7800 रुपये) का व्यय/रोगियों के कल्याण के लिए उठाये गये कदम। शुद्ध पानी के लिए कैंट आर.ओ. लगाया गया है। मरीजों के लिए भर्ती सेंटर उपलब्ध है। मरीजों के लिए एंबुलेंस 24 घंटा उपलब्ध है। रोगियों की शिकायत निवारण के लिए उठाये गये कदम। शिकायत मिलने पर हमेशा उसका निवारण किया जाता है।

विचार-

- सियाशरण पासवान (सेवानिवृत शिक्षक) का कहना था कि जनसंवाद में जो भी मामला उठा है। अगर उसके बारे में उसी समय प्रभारी से मिले होते तो कार्रवाई हुई होती। प्रभारी का मोबाइल नंबर अस्पताल में मौजूद रहता है। उसको नोट कर लें। कोई भी शिकायत हो, तो सीधो प्रभारी को फोन कर अपनी शिकायत बताएं। कुछ दवाएं ऐसी होती हैं। जो उपलब्धा नहीं रहती है। ऐसे में प्रभारी भी देने में आसमर्थ रहेगें।

केस नंबर-1

- अंजू देवी, पति-धार्मवीर चौधारी, ग्राम-जुनियार ने कहा कि प्रसव के लिए सरकारी अस्पताल, हिलसा गयी। वहां दो रुपये की परची कटवाकर अस्पताल में एडमिट हुई। नर्स ने कहा कि सूई, दवा बाहर से लानी पड़ेगी क्योंकि यहां सूई दवा नहीं है। मेरे पति बाहर से 500 रुपये की दवा ले आये। तब इलाज शुरू हुआ। करीब दस बजे प्रसव हुआ। प्रसव होने पर नर्स ने पैसे की मांग की। मेरे पति ने उसे 200 रुपये दिये। फिर आशा ने भी 100 रुपये लिये। किराये की गाड़ी लेकर घर वापस गयी।
- निर्णय:- डाक्टर साहब ने कहा कि आपने पैसे दे दिये, तो मैं क्या करूं! आपको उसी समय मुझसे या प्रभारी से शिकायत करनी चाहिए थी। जब तक आप लोग खुद जागरूक नहीं होंगे, तब तक आपको ठगा जाता रहेगा। हम मानते है कि दवा आपको बाहर से लाना पड़ा होगा क्योंकि अस्पताल में दवा नहीं रहा होगा। एंबुलेंस अभी खराब है, इसलिए नहीं गया होगा।